मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 95
शुक्रवार, 31 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाकुंभ में हुई भगदड़ के दूसरे दिन बदले हालात

* अखाड़ा मार्ग पर बना भीड़ का भारी दबाव
* मंगलवार शाम से ही संगम में लगने लगी थी भारी भीड़
* सीएम योगी ने की अधिकारियों संग बैठक

नई दिल्ली, 30 दिसंबर। प्रयागराज इन दिनों दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर बना हुआ है। मौनी अमावस्या पर तकरीबन आठ करोड़ लोगों ने गंगा के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाई। मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए बीते एक-दो दिन से ही भारी संख्या में लोग यहां पहुंचने लगे थे। अमावस्या के चलते हर कोई संगम में स्नान करना चाह रहा था। इसके चलते मंगलवार शाम से ही संगम नोज पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई थी। कई श्रद्धालु तो ऐसे थे जो मध्य रात्रि में ही संगम क्षेत्र में पहुंच गए थे और वहां आराम करने लगे थे। इस बीच रात करीब दो बजे खबर आई कि संगम नोज के पास भगदड़ मच गई। हालांकि आनन-फानन में कड़े प्रयासों के बाद स्थिति पर काबू पाया गया। इस हादसे में 30 लोगों ने अपनी जान गंवा दी और 60 लोग घायल हो गए, जिनका इलाज जारी है। मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के लिए मंगलवार रात से ही संगम क्षेत्र में लोगों की भीड़ संगम क्षेत्र में जमा होने लगी थी। प्रशासन ने भी सुबह पांच बजे से होने वाले स्नान के लिए व्यापक इंतजाम कर रखे थे। संगम क्षेत्र में लोगों की ज्यादा भीड़ न हो इसके लिए प्रशासनिक अधिकारी भी लगातार श्रद्धालुओं से अपील कर रहे थे कि जो लोग जितने बजे पहुंचे स्नान कर लें, इसके साथ ही अपने-अपने नजदीकी घाट पर स्नान का पुण्य लाभ ले लें।

मुख्य स्नान पर्व होने के कारण पूरे प्रयागराज शहर में दबाव अत्यधिक था। मेला क्षेत्र में भी सभी मार्ग चोक थे। ब्रह्म मुहूर्त में अमृत स्नान के लिए लोग संगम नोज पर इकट्ठे हो रहे थे। रात 12 बजते बजते आलम यह था कि वहां पैर रखने की भी जगह नहीं बची। इसके चलते देर रात करीब दो बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव बना। उस दबाव के कारण दूसरी ओर के बैरिकेट्स टूट गए। इतना ही नहीं भीड़ के लोगों ने भी बैरिकेट्स लांघ कर दूसरी ओर कूदने की कोशिश की। इस चक्कर में वे दूसरी तरफ ब्रह्म मुहूर्त के स्नान का इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं पर चढ़ गए। जिससे भगदड़ मच गई।

भगदड़ की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारियों में भी अफरा-तफरी मच गई और मौके पर बचाव कार्य शुरू हो गया। हादसे की सूचना के कुछ ही देर बाद मौके पर एंबुलेंस मौके पर पहुंची और पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाना शुरू किया। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रहे। वे पल पल पर अधिकारियों से सारी जानकारी लेते रहे।

भगदड़ और भारी भीड़ के चलते अखाड़ों ने मौनी अमावस्या पर होने वाले अमृत स्नान रोक दिया। सुबह करीब चार बजे से निकलने वाले महानिवार्णी और निरंजनी अखाड़े के साधु संत एवं नागा संन्यासी स्नान के लिए नहीं निकले। बाद में अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने बताया कि भारी भीड़ के चलते स्नान को रोका गया है। अगर स्थिति ठीक हुई तभी अखाड़े स्नान को निकलेंगे। अन्यथा स्नान को निरस्त कर दिया जाएगा।

भगदड़ के बाद राहत बचाव कार्यों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब छह बजे सीएम योगी आदित्यनाथ से बात की। उन्होंने सीएम योगी को हताहतों और घायलों के साथ ही उनके परिजनों की मदद के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। पीएम मोदी खुद इस हादसे को लेकर सक्रिय थे। उन्होंने अगले तीन घंटों में सीएम योगी से चार बार बात कर हालात की जानकारी ली। इस बीच, सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से संगम में न आने की अपील की। महाकुंभ में हुई भगदड़ के बाद सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह संगम नोज जाने के बजाय निकट के घाट पर स्नान कर लें। इस मामले में प्रशासन के नियमों का ध्यान रखें और किसी प्रकार की अफवाह में न आएं। बाद में बुधवार को दिन में सीएम योगी ने अधिकारियों संग बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को घायलों के उपचार और स्नान की व्यवस्था को लेकर निर्देशित किया।

हादसे की वजह से संगम में सुबह के बजाय दोपहर करीब ढाई बजे शुरू हुआ। अखाड़ों के साधुओं ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। अमावस्या के अवसर पर त्रिवेणी संगम पर पवित्र स्नान कर रहे साधु-संतों पर फूलों की वर्षा की गई।

महाकुंभ मेला क्षेत्र के डीआईजी वैभव कृष्ण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में रात 1-2 बजे के बीच भगदड़ हुई थी। जिसके बाद 90 लोगों को अस्पताल लगाया गया। जिसमें से 30 लोगों ने दम तोड़ दिया, इनमें से 25 लोगों की शिनाख्त हो गई है। जिसमें कर्नाटक के चार, गुजरात के एक श्रद्धालु की मौत हुई है। 60 लोग घायल हैं। बैरिकेड्स टूटने की वजह से भगदड़ हुई। इसके बाद शाम करीब साढ़े सात बजे सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने हादसे में मृत लोगों के परिजनों के प्रति अपना दुख जाहिर किया। उन्होंने भारी भीड़ को हादसे का कारण बताया। मुआवजे का एलान करते हुए उन्होंने कहा कि 25 लाख रुपये मृतकों के परिजनों को दिए जाएंगे। प्रशासन पूरी तरह से चौकस था। सीएम योगी ने हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दिए। महाकुंभ हादसे पर न्यायिक आयोग ने अपना काम शुरू कर दिया है। आयोग के सदस्य गुरुवार को 10 जनपथ लखनऊ स्थित अपने कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने बैठक की। प्रयागराज महाकुंभ भगदड़ पर न्यायिक समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार ने कहा कि हमें एक महीने के भीतर रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है। कल सुबह हम साइट निरीक्षण के लिए जाएंगे, और हालांकि हम यह नहीं कह सकते कि इसमें कितना समय लगेगा, हम जल्द से जल्द काम पूरा करने की कोशिश करेंगे। इस बीच, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और अन्य अधिकारियों ने महाकुंभ जाकर घटना स्थल का निरीक्षण किया। संगम तटों पर बैरिकेडिंग का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए हर सेक्टर और जोन में विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान किसी भी तरह का प्रोटोकॉल लागू नहीं होगा। मौनी अमावस्या अमृत स्नान पर्व पर भगदड़ मचने के बाद प्रशासन ने मेले में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर नया आदेश जारी किया है। पूरे मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। दो पहिया वाहनों को भी मेले में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। जिले की सीमाओं पर रोके गए वाहनों को छोड़ दिया गया है। इसके बाद मेला क्षेत्र की सीमा पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अंदावा रिंग रोड बाईपास, नवाबगंज, सोरांव और चित्रकूट रोड पर गौहनिया के पास वाहनों को रोक दिया जा रहा है। मेले में रोज की अपेक्षा बृहस्पतिवार को कम भीड़ दिखी।

प्लेन-हेलीकॉप्टर क्रैश में सभी 67 लोगों की मौत, नदी से अब तक निकाले गए सभी शव

वाशिंगटन, 30 जनवरी। अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में घटी घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। कैसे चंद पल में एक हेलीकॉप्टर धीमी और मध्यम सी रोशनी के साथ आता है और सीधे एक एयरक्रॉफ्ट में टक्कर मार देता है। इस एयरक्रॉफ्ट में एक नहीं दो नहीं पांच नहीं दस नहीं बल्कि 64 यात्री सवार होते हैं। कुछ ही पलों में अमेरिकी सेना का ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर और एयरक्रॉफ्ट सीधे नदी में जा गिरते हैं। उस नदी में जिसमें लोगों के बचने की संभावना नाम मात्र की होती है। अब खबर आ रही है कि वॉशिंगटन के पास सेना के हेलिकॉप्टर से टकराए विमान में सवार सभी 64 लोग मारे गए। अधिकारियों ने कहा कि पुनर्प्राप्ति टीमों ने बफीर्ले पानी से दो दर्जन से अधिक शव निकाले हैं। पीएसए एयरलाइंस द्वारा संचालित अमेरिकन एयरलाइंस का विमान 60 यात्रियों और चार चालक दल के सदस्यों के साथ विचिटा से राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भर रहा था, और हेलीकॉप्टर तीन सेवा सदस्यों के साथ एक प्रशिक्षण उड़ान पर था। अमेरिका के मध्य अटलांटिक क्षेत्र की एक प्रमुख नदी है। ये पश्चिम वर्जीनिया में पोटोमैक हाइलैंड्स से मैरीलैंड में चेसापीक खाड़ी तक पहती है। पोटोमैक नदी 405 मील लंबी है। ये यूएस की 21वीं सबसे बड़ी नदी है। इसके वाटरशेड में 50 लाख से अधिक लोग रहते हैं। इस नदी में बच पाना न के बराबर है। नदी का पातमान इतना कम है कि कोई तैर कर पानी से बाहर नहीं आ सकता। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार नदी के पानी का तापमान लगभग 35 से 36 डिग्री फारेनहाइट यानी कि -1.11111 सेल्सियस केविमान के रेडियो ट्रांसपोंडर से मिले डेटा के अनुसार, अमेरिकन एयरलाइंस की उड़ान संख्या 5342 लगभग 400 फुट की ऊंचाई से करीब 140 मील प्रति घंटे की गति से हवाई अड्डे की ओर आ रही थी, तभी पोटोमैक नदी के ऊपर इसकी ऊंचाई तेजी से कम हो गई। कनाडा में 2004 में निर्मित निर्मित बॉम्बार्डियर सीआरजे-701 ट्विन-इंजन जेट, 70 यात्रियों को ले जाने में सक्षम है। विमान के उतरने से कुछ मिनट पहले हवाई यातायात नियंत्रकों ने उससे पूछा कि क्या वह रीगन हवाई अड्डे के अपेक्षाकृत छोटे रनवे 33 पर उतर सकता है जिसके बाद विमान चालकों ने कहा कि वे ऐसा कर सकते हैं। इसके बाद नियंत्रकों ने विमान को रनवे 33 पर उतरने की अनुमति दे दी। उड़ानों पर नजर रखने वाली साइट के अनुसार, विमान ने नए रनवे पर जाने के लिए अपना मार्ग बदला। दुर्घटना से 30 सेकंड से भी कम समय पहले एक हवाई यातायात नियंत्रक ने हेलीकॉप्टर से पूछा कि क्या उसे विमान आता दिखाई दे रहा है। नियंत्रक ने कुछ ही क्षणों बाद हेलीकॉप्टर को एक और रेडियो कॉल करके कहा कि पीएटी 25, सीआरजे के पीछे से गुजरे।

प्रदेश के इन कर्मचारियों का रुकेगा जनवरी का वेतन

लखनऊ। प्रदेश में समूह क व ख श्रेणी के अधिकारियों को अपनी 2023-24 की एनुअल कांफिडेंशियल रिपोर्ट (एसीआर) मानव संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन दाखिल करनी है। सचिवालय प्रशासन ने कड़े निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट न देने पर संबंधित अधिकारियों का जनवरी महीने का वेतन रोक दिया जाएगा। सचिवालय प्रशासन की ओर से हाल ही में सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिव को पत्र भेजकर कहा गया है कि इन अधिकारियों की वर्ष 2023-24 की ऑनलाइन गोपनीय प्रविष्टि दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। हाल में की गई समीक्षा में पता चला है कि काफी लोगों द्वारा मानव संपदा पोर्टल पर अपनी स्व मूल्यांकन आख्या नहीं अपलोड की गई है। ऐसे में समीक्षा अधिकारियों समेत सभी समूह क व ख श्रेणी के अधिकारियों की रिपोर्ट ऑनलाइन कराना सुनिश्चित करें। सचिवालय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव के रविंद्र नायक ने कहा है कि ऐसा न करने पर संबंधित का जनवरी महीने का वेतन न जारी किया जाए।

दो पश्चिमी विक्षोभ बिगाड़ेंगे मौसम, यूपी समेत 16 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 30 जनवरी। दो नए पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने के चलते फरवरी महीने के पहले हफ्ते में उत्तर भारत में मौसम बिगड़ने वाला है। भारत मौसम विभाग विभाग ने 16 राज्यों में हल्की से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं लगभग सात राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। राहत की बात यह है कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर, पश्चिम, पूर्वी और उत्तर पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में इजाफा देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ पूर्वी अफगानिस्तान में सक्रिय है। वहीं 1 से 3 फरवरी के बीच दो नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर-पश्चिम भारत में मौसम बिगड़ेगा। पश्चिम विक्षोभ की वजह से 30 जनवरी से 5 फरवरी तक हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 01 फरवरी से 5 फरवरी के बीच उत्तराखंड और 31 जनवरी से 5 फरवरी के बीच पंजाब, चंडीगढ़ और हरियाणा में बारिश का अनुमान है। 3 से 5 फरवरी के बीच उत्तर प्रदेश, राजस्थान में छिटपुट से मध्यम बारिश हो सकती है। असम में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना है। इस वजह से 30 और 31 जनवरी को अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर असम, नागालैंड के कुछ हिस्सों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। 31 जनवरी को पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी हिस्सों में घना कोहरा देखने को मिलेगा। 1 फरवरी तक उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के उप-हिमालयी क्षेत्र और सिक्किम के अलग-अलग हिस्सों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। 2 फरवरी तक बिहार, ओडिशा, असम और मेघालय में घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। अगले तीन दिनों में उत्तर-पश्चिम, पूर्व, मध्य और पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा होगा। मौसम विभाग ने 30 जनवरी को अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। 30 और 31 जनवरी को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भारी बारिश होगी। केरल और माहे में दो फरवरी तक बरसात का सिलसिला जारी रहेगा।

पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश, बिहार, मेघालय, सौराष्ट्र और कच्छ में घना कोहरा पड़ा। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, पश्चिमी राजस्थान, असम और मेघालय में हल्के से मध्यम स्तर तक कोहरा देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के बरेली, शाहजहांपुर, प्रयागराज, बलिया, आजमगढ़ में शून्य दृश्यता दर्ज की गई। गोरखपुर में दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही।

मौनी अमावस्या ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, पृथ्वी पर इससे ज्यादा भीड़ आज तक नहीं देखी गई

नेशनल डेस्क, 30 जनवरी। 144 साल बाद आए महाकुंभ में करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई है। देश के साथ-साथ विदेशों से भी भारी मात्रा में पहुंचे लोग प्रयागराज मे चल रहे महाकुंभ का हिस्सा बने। इस महाकुंभ में काफी लोगों को फेम भी हासिल हुआ है, यहीं नहीं रोजाना कोई न कोई बड़ी हस्तियां इस महाकुंभ में स्नान कर रही है। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम पर इस वीडियो को हिमांशु सचदेवा के नाम से शेयर किया गया है, जिसमें लोगों की भीड़ दिखाई दे रही है। दरअसल ये वीडियो महाकुंभ में आई मौनी अमावस्या की है, जिसमें करोड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और आस्था की डुबकी लगाई है। वीडियो में लोग एक-दूसरे से टकराते हुए नजर आ रहे है, कई लोग स्नान करने जा रहे थे और वापिस आ रहे है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें लोगों की भीड़ नजर आ रही है। महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की प्रयागराज आने से किस्मत ही चमक गई है। माला बेचते-बेचते मोनालिसा अपनी नीली भूरी और नीली आंखों के कारण वायरल हुई। अब मोनालिसा की बॉलीवुड में एंट्री हो गई है। मशहूर डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने अपनी अगली फिल्म के लिए मोनालिसा को साइन किया है। दो अभिनेत्रियों वाली इस फिल्म में मोनालिसा की भी उनमें से एक यानी लीड रोल रहेंगी। मोनालिसा महाकुंभ में माला बेचने के लिए परिवार के साथ आई थी। इसी दौरान कुछ पूटयूबरों ने उसका वीडियो बनाया और देखते ही देखते वह सोशल मीडिया पर छा गई थी। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 में मंगलवार की रात एक भयानक भगदड़ की घटना हुई, जिसमें 30 लोगों की मौत और 60 घायल हो गए। इस घटना को लेकर एक बड़ा कारण 144 साल के पुण्य अवसर को माना जा रहा है। लोगों का मानना था कि इस बार मौनी अमावस्या के दिन संगम में स्नान करने का जो अवसर मिल रहा है, वह एक अद्वितीय और ऐतिहासिक संयोग था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों के प्रति संवदेना जताई और 25 लाख रुपए प्रति पीड़ित परिवार को देने की घोषणा की।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना की गोलीबारी में 3 आतंकी ढेर

राजौरी, 30 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर गुरुवार देर शाम को सीमा पार से घुसपैठ के एक बड़े षड्यंत्र को सेना ने विफल करते हुए तीन आतंकियों को मार गिराया। बताया जा रहा है कि आतंकियों का एक दल एलओसी पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। एलओसी पर सेना का अभियान अभी जारी है।

जानकारी के अनुसार, पुंछ में एलओसी पर खड़ी खड़माल क्षेत्र में तैनात सेना के जवानों ने कुछ हलचल देखी। घुसपैठ की आशंका को भांपकर जवानों ने आसपास की सुरक्षा चौकियों को अलर्ट करते हुए अपने उच्चाधिकारियों को सूचित कर आतंकियों को ललकारा। इस पर घुसपैठियों के दल ने गोलीबारी करते हुए वापस भागने का प्रयास किया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। कुछ ही देर में सेना ने दो आतंकियों को मार गिराया। इसके बाद एक और आतंकी मारा गया। अन्य आतंकियों के एलओसी के आसपास ही छिपे होने की आशंका पर सेना का अभियान जारी है। जम्मू संभाग के डोडा में आतंकियों की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने गुरुवार को क्षेत्र में घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान डोडा पुलिस और सीआरपीएफ ने सुबह 8:30 बजे डोडा के दोरहू, बस्ती और भद्रवाह के आसपास के वन क्षेत्र में शुरू किया। देर शाम तक सुरक्षाबलों को कोई सूचना तो नहीं मिली, लेकिन अभी भी अभियान जारी रखा गया है। उल्लेखनीय है कि डोडा के जंगलों में पिछले वर्ष कई आतंकी घटनाएं हुई थीं। आतंकियों ने छत्रगला में सुरक्षाबलों के शिविर पर गोलियां बरसाई थी, जिसमें एक जवान घायल हो गया था। इन घटनाओं के बाद से सुरक्षाबल किसी भी सूचना

स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे पीएम मोदी के 10 साल- शाह

नई दिल्ली, 30 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ 'भारतीय पुनर्जागरणः मोदी दशक' पुस्तक के विमोचन किया। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

'भारतीय पुनर्जागरणः मोदी दशक' पुस्तक के विमोचन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'जब मोदी जी ने कोविड महामारी के दौरान जनता कर्फ्यू की घोषणा की तो मैं हैरान रह गया। उन्होंने लोगों से कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के उपाय के रूप में घर के अंदर रहने का आग्रह किया। उल्लेखनीय रूप से, पूरे देश ने उनकी अपील का पालन किया। लाल बहादुर शास्त्री जी के बाद, मोदी जी दूसरे ऐसे नेता हैं, जिन्होंने लोगों से अपार विश्वास और पूरे दिल से समर्थन प्राप्त किया है'। पुस्तक के विमोचन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आगे कहा, 'पीएम मोदी के 10 साल... वास्तव में एक युग के अंत और एक नए युग की शुरूआत का प्रतीक होंगे। जब भी भारत का इतिहास लिखा जाएगा, तो मोदी जी के 10 साल के शासन को भी उनके सबसे कठोर आलोचकों की तरफ से स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा, यह मेरा दृढ़ विश्वास है'।

उद्घाटन समारोह के बिना होगा चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज, पाकिस्तान नहीं जाएंगे रोहित शर्मा

नई दिल्ली , 30 जनवरी। चैंपियंस ट्रॉफी की शुरूआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूनार्मेंट से पहसे सभी को उद्घाटन समारोह की तारीखों का इंतजार है। हालांकि, अब खबर आई है कि टीमों के व्यस्त कार्यक्रमों के चलते टूनार्मेंट की शुरूआत से पहले होने वाले फोटोशूट और प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया है। इससे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के पाकिस्तान जाने की अटकलों पर भी विराम लग गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र के हवाले से बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी की शुरूआत से पहले कप्तानों का कोई फोटोशूट या प्रेस कॉन्फ्रेंस पाकिस्तान में नहीं होगी। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा- टीमों के व्यस्त कार्यक्रम और अनुपलब्धता के कारण टूनार्मेंट से पहले पूर्व कप्तानों की बैठक रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा। बात यह है कि टूनार्मेंट से पहले सभी टीमों का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इंग्लैंड और भारत सीमित ओवरों की सीरीज खेल रहे हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका में टेस्ट और वनडे सीरीज खेल रहा है। सूत्र के अनुसार, पीसीबी 16 फरवरी को लाहौर में उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन करेगा, ये कार्यक्रम चैंपियंस ट्रॉफी के औपचारिक उद्घाटन समारोह से अलग होगा। भारत अपना पहला लीग स्टेज का मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद 23 फरवरी को पाकिस्तान से मुकाबले के बाद टीम इंडिया को सात दिन का गैप मिलेगा। इसके बाद दो मार्च को भारतीय टीम न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। भारतीय टीम ने यह टूनार्मेंट सिर्फ एक बार 2013 में जीता है। तब महेंद्र सिंह धोनी टीम के कप्तान थे। 2002 में बारिश के कारण फाइनल रद्द हो गया था। तब भारत और श्रीलंका संयुक्त विजेता रहे थे। भारतीय टीम कुल मिलाकर चार बार फाइनल में पहुंच चुकी है। 2013 और 2002 के अलावा ऐसा 2000 और 2017 में हुआ था।

चैंपियंस ट्रॉफी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 15 मैच होंगे। इस बार मैचों की मेजबानी पाकिस्तान और दुबई करेंगे। भारतीय टीम के सभी ग्रुप स्टेज के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। वहीं, बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में ही खेले जाएंगे। यह टूनार्मेंट 19 दिनों तक चलेगा। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची मैचों की मेजबानी करेंगे। पाकिस्तान के हर एक मैदान पर तीन-तीन ग्रुप मैच खेले जाएंगे। भारत से जुड़े तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व डे होंगे। दुबई पहले सेमीफाइल और लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। अगर भारत फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करता है तो लाहौर ही नौ मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा। अगर भारत क्वालिफाई करता है तो पाकिस्तान की किरकिरी हो जाएगी। ऐसे में मुकाबले की मेजबानी लाहौर से छीन ली जाएगी और मुकाबला दुबई में खेला जाएगा।

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल
The Culture of Care
पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल
आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल
प्रदेश के लगभग 6 करोड़ लोगों के लिए 5 लाख रुपये तक के इलाज पूरी तरह से निःशुल्क
24 घंटे भर्ती की सुविधा
आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी
डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical Association UPMCI Rg. No. 95653
नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर) 9138828282, 8686867547

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

क्या बजट आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा?

-ललित गर्ग

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लगातार अपना आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा।

आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्त मंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है।

यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय-समय पर जीएसटी काउंसिल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ़्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं।

बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। "मेक इन इंडिया" पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। "गरीब कल्याण अन्न योजना" का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा।

यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां "हर हाथ को काम" का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है और बीते 12 वर्षों में भारत की जीडीपी ने तेज उछाल दर्ज की है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मुश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं। एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकडने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पत्थर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आयेगा वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला साबित होगा, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन मोदी सरकार के बजट राजनीति प्रेरित नहीं होकर राष्ट्र प्रेरित रहे है।

प्रयागराज का महाकुंभ में एक बड़ा हादसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है, जिम्मेदारी से न भागे सरकार

अशोक भाटिया

प्रयागराज का महाकुंभ, जिसने मानव इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है, बुधवार तड़के भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के दिन, त्रिवेणी संगम पर स्नान करने गई महिलाओं और बुजुर्गों की मौत हो गई। कई घायल हो गए। मृतकों और घायलों की संख्या आधिकारिक तौर पर नहीं बताई गई है। हालांकि, सत्तर एम्बुलेंस चलती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक घंटे में चार बार बात की या सभी 13 अखाड़ों के अमृत स्नान को स्थगित कर दिया, जिसका मतलब है कि दुर्घटना बहुत बड़ी है। किसी को त्रासदी की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

विवेक होना चाहिए कि किसी विषय को कितना प्रसारित किया जाए। यदि विषय व्यक्तिगत विश्वास जितना ही भावनात्मक है और उसकी हवा बनाने वाले लोग हैं, तो इस विवेक की अधिक आवश्यकता है। भावनाओं को छूना आसान है। बौद्धिक वैज्ञानिकता विकसित करना कई गुना अधिक कठिन है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, विद्वान शासकों द्वारा प्रयागराज में 'महाकुंभ' के माहौल को बुधवार की सुबह भगदड़ की घटना से देखा जाना चाहिए। यह डरावना है। इतना कि कोई भी हमें दिन के दौरान यह बताने में संकोच नहीं करता था कि कितने लोगों के जीवन को सचमुच लिया गया था। बीबीसी जैसी समाचार सेवाओं के अनुसार, मीडियाकर्मियों को उन अस्पतालों से रोक दिया गया था जो रुग्णों को भर्ती करते थे। पता नहीं क्यों। क्योंकि गंगा के किनारे लाशों का नवाचार नहीं है। आज (शायद) 30 मौतें देश में कोविड के दौरान देखी गई मौतों से कम हैं। इसके बारे में इतना गुप्त होने का कोई कारण नहीं था। शायद अगर दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान इस मामले को प्रकाश में लाया गया, तो भी राजधानी अपनी पकड़ खो देगी। संकट कितना भी गहरा और गंभीर क्यों न हो, चुनावी जीत उस सब से अधिक महत्वपूर्ण थी! मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, इस कुंभ मेले में शामिल होने वाले लोगों की संख्या। कुछ कहते हैं 10 करोड़, कुछ कहते हैं 12 करोड़ या कोई और। भले ही हम इस संख्या की सत्यता पर चर्चा न करने का निर्णय लें, किसी को यह सवाल नहीं करना चाहिए, कि कीमत महत्वपूर्ण है या भक्तों की संख्या। इस अवसर पर यह याद रखना अनुचित नहीं होगा कि महाभारत में केवल संख्या प्रेम में पड़कर कृष्ण का साथ मांगने वाले कौरवों के युद्ध में क्या हुआ था और जिन पांडवों ने भक्ति के साथ कृष्ण का समर्थन मांगा था। आपको कब एहसास होगा कि जो लोग सबसे बड़ा, सबसे बड़ा, सबसे बड़ा, सबसे ज्यादा संख्या, पहले तीन आदि का दावा करते हैं, उनमें अपने प्रति हीन भावना होती है? असली शक्तिशाली या मजबूत बैठकर शादू नहीं मारते हैं, यह तथ्य यह है कि यह पहला और आखिरी महाकुंभ नहीं है। पहले भी ऐसे कई कुंभ हो चुके हैं और आगे भी होते रहेंगे। इससे पहले किसी ने भी 'सबसे अधिक भीड़' का दावा करने की आवश्यकता महसूस नहीं की। अब इसे महसूस करने का कारण क्या है? खैर, यह दावा करने के लिए कि सिस्टम को समान रूप से सटीक होना चाहिए। यह कितना नहीं था, यह विदेशी समाचार चैनलों से पता चलता है। पटाखा होने पर भी, लाइव प्रसारण में हमारे समाचार चैनलों द्वारा देखी गई 'मौनी अमावस्या' को याद नहीं करना मुश्किल है। खैर, इस अवसर पर, पवित्र गंगा के सबसे पवित्र संगम में डुबकी लगाने गए उत्सुक लोग हाथ से निकल गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां मौजूद श्रद्धालुओं से अपील की और संतों के सिर भी कुछ स्टैंड लिए, जो कुछ सवाल खड़े करता है।

उदाहरण के लिए, योगी ने कहा कि सभी भक्त संगम पर आने की जिद न करें, जो भी घाट पास है उसमें स्नान करें। फिर मुद्दा यह है कि यदि घाट 'निकट' पर स्नान करने से समान पुण्य की गारंटी मिलती है, तो गांवों के भक्तों को संगम पर जाने के लिए कड़ी मेहनत क्यों करनी पड़ती है? हम हर नदी को गंगावतार मानते हैं। भले ही उनमें से कई सूख गए हों, लेकिन इस अवसर पर, हमारे अधिकारियों ने इन नदियों में पानी छोड़कर कई लोगों के पुण्य की गारंटी दी होगी। कुछ लोगों को याद होगा कि कैसे पुण्य के लाभ के लिए नासिक में विशेष पानी छोड़ा गया था। यह सही है। अगर ऐसा किया गया होता, तो गांव की नदियां सक्रिय हो जाती और स्थानीय लोगों को पुण्य के लाभ के लिए पीड़ित नहीं होना पड़ता। संतों के प्रमुखों द्वारा ली गई बहुत ही समझदार स्थिति का। हादसे के बाद उन्होंने आज के शुभ अवसर पर (कम से कम थोड़ी देर के लिए) नहाना बंद कर दिया। उनके समझदारी भरे कदम का मतलब यह भी हो सकता है कि महाकुंभ के दौरान जब भी संगम स्नान किया जाए तो वह उतना ही पुण्य भी हो सकता है। यदि यह व्याख्या सही है, तो इस दिन के मुहूर्त के इतने भस्म होने का क्या कारण है? श्रद्धालुओं को कुंभ के दौरान कभी भी आने के लिए कहा जा सकता था। भगदड़ दुर्घटना के कारण, आयोजकों के लिए भी ऐसा करने का समय आ गया। सुबह के शुभ अवसर पर प्रयागराज जाने वाली विशेष ट्रेनें के रद्द होने की खबर सुबह आई। फिर दोपहर में खबर आई कि उन्हें रद्द नहीं किया गया है। इस गड़बड़ी के कारण, इन विशेष ट्रेनों से आने वाले कई भक्त आज के मुहूर्त तक नहीं पहुंच सके। व अपना आधा खो चुके हैं और दिवंगत पुण्य को पुनः प्राप्त करने के लिए 12 साल और इंतजार करना होगा। वे किस सवाल से हताश हो गए होंगे और अब सरकार को सोचना होगा कि उन्हें जल्द से जल्द अपना खोया पुण्य कैसे मिलेगा।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन के बाद, कुंभ में अमृत के वितरण को लेकर देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध छिड़ गया। कुंभ मेला हर 12 साल में प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक के चार स्थानों पर आयोजित किया जाता है, जहां आकाश के माध्यम से अमृत लेते समय अमृत की बूंदें बहाई जाती थीं। प्रयागराज को छह साल बाद अर्धकुंभ कहा जाता है। इसे पहले 'माघ मेला' कहा जाता था। अब आयोजन के राजनीतिक महत्व के कारण, मेला आदि शब्द मामूली है। और इस वर्ष 144 वर्षों के बाद श्रृंखला में 12वें महाकुंभ के रूप में बहुत प्रचार हो रहा है। किसी भी मामले में, यह निश्चित रूप से मानव इतिहास की सबसे बड़ी घटना है। कुंभ के 45 दिनों में 35-40 करोड़ लोग प्रयागराज आएंगे। यह दावा खुद सरकार का है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वही सरकार भगदड़ के कई घंटों के भीतर मृतकों और घायलों की संख्या नहीं बताती है। करोड़ों की इस भीड़ की योजना बनाने और उसे प्रबंधित करने की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों दोनों की है, खासकर खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की, जो शैव अखाड़े से जुड़े हैं, यानी प्रबंधक। यह कष्टप्रद है। जबकि सच्ची और आधिकारिक जानकारी को दबाया जा रहा है, त्रासदी के कारण योगी के प्रशासन के अधर में लटके हुए हैं। इस महाकुंभ में वीआईपी संस्कृति की अधिकता रही है। तथाकथित अभिजात वर्ग सरकार को कमजोर करने के लिए हाथ-पांव मार रहा है। हालाँकि, साधारण विश्वासियों को स्वयं के लिए छोड़ दिया गया है।

नदी पर बने 28 पुलों में से अधिकांश को यह जानने के बावजूद बंद कर दिया गया था कि मेरी अमावस्या के दिन गंगा, यमुना और सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर लाखों श्रद्धालु आएंगे। सुबह के शुरुआती घंटों में, जब लाखों लोग संगम नोज की ओर जा रहे थे, घाटों से आने-जाने के लिए कोई अलग मार्ग नहीं था। 2003 में नासिक, 2013 में इलाहाबाद, इलाहाबाद ही। 1986 में हरिद्वार में भगदड़ के अनुभव के बावजूद इस तरह की दुर्घटना को रोकने की कोशिश न करना अपराध और पाप है। यह पाप है। इतने बड़े आयोजन में तकनीक के इस्तेमाल की बहुत चर्चा हो चुकी है, लेकिन इस तकनीक के इस्तेमाल का अनुभव नहीं हो पाया है। 2015 में नासिक सिंहस्थ के दौरान इस तकनीक का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया गया था। अमेरिका में टक्ळ में काम करने वाले डॉ. रमेश रस्कर और सहयोगियों ने नासिक में सिंहस्थ कुंभ मेले के दौरान कुंभथॉन का आयोजन किया। इसे प्राप्त कर सकता है। कुंभ मेला और इंसानों के गायब होने का सदियों का इतिहास रहा है। हालांकि, नासिक में कुंभ मेले में खो गए सभी 1,000-1,500 लोग सुरक्षित पाए गए। प्रयोग बाद में उज्जैन में किया गया था। प्रयागराज में ऐसा ही कर सकता था। सरकार ने आधिकारिक तौर पर दुनिया की सबसे बड़ी प्रबंधन एजेंसी अर्न्स्ट एंड यंग को भीड़ नियंत्रण की जिम्मेदारी सौंप दी है। प्रशासन के हाथों किया गया पाप कुछ हद तक धुल जाएगा।

दिल्ली चुनाव में निर्णायक होंगे दलित-ओबीसी मतदाता

-रमेश सर्राफ धमोरा

-रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी-अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार-जीत के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है। भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं। कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है। दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मालेर्ना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं। कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी-बड़ी धोषणा की जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आआप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

महाकुंभ में मौनी अमावंस्या पर श्रद्धालुओं का उमड़ा जन शैलाब, तो व्यवस्थाओं के उड़ गये नकाब

-विक्रम दयाल

महाकुभ तेरह जनवरी, 2025 से शुरू हो चुका है. करोड़ो साधुसंत, ऋषि मुनि, और भक्त और श्रद्धालु महाकुंभ डुबनकी लगाने, पवित्र संगम स्नान करने के लिए प्रयागराज में नित्य अपना मन निर्मल करने और पापों से मुक्ति पाने हेतु पधार रहें हैं. भक्ति, तप और एकता का प्रतीक महाकुंभ मेला हिंदू आस्थाओं का महासंगम भारत में श्रद्धा पूर्वक मनाया जारहा है. ऋषि, मुनि संत और तपस्वी तथा किसान, व्यापारी, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले साधक, श्रद्धालु, तपोभूमि प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगमतट पर अति श्रद्धापूर्वक स्नान करने और अपने पाप धोने मकरसंक्रांति से ही अपनी मनवांछित सुदृढ़ और इच्छित मनोकामनायें पूर्ण करने के लिए श्रद्धा के साथ संगम में डुबुकी लगाने आरहे हैं. महाकुंभ में मौनी अमावस्या का पवित्र स्नान हिंदू आस्थाओं का एक बहुत ही पवित्र और हर पाप से छुटकारा दिलाने वाला एक अद्भुत स्नान है. हर श्रद्धालु हर मानव

साधु संत, ऋषिमुनि, योगी, हर भक्त मौनी अमावस्या पर संगम स्नान कर अपने पापों से मुक्त होने के लिए प्रयागराज में संगम स्नान करने जरूर पहुँचता है. मौनीअमावस्या के दिन साधु संत और श्रद्धालुओं का जमावड़ा पिछले दिनों की अपेक्षा काफी मात्रा में अधिक से अधिक होती है. हर कोई पहले संगम में पवित्र स्नान करना चाहता है. इसलिए संगम तट पर जल्द से जल्द पहुँचना पसंद करता है. श्रद्धालुओं का उमड़ता जन शैलाब और

दुसरी तरफ ऋषि मुनि और साधु संतों के बड़े बड़े अखाड़ों के साधु और संत बढ़ती हुई बेतहासे जनशैलाब को काबू करने में असफल सुरक्षा चूक होने के कारण भगदड़ मच गई और पवित्र स्नान करने आये महान आत्माओं को अपने जान गवाने पड़ गये. अक्सर देखा गया है कि जहाँ कहीं भी धार्मिक आयोजन हो रहें हैं वहाँ वहाँ इस तरह की दुर्घटनायें होती आरही हैं. शासन और प्रसासन दोनों ही चुस्त-दुरुस्त होने के बावजुद भी ऐसी शिकायतें

हो ही जाती हैं. महाकुंभ मेले में ऐसा माना जाता है कि पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुल जाते हैं. और इसदिन पवित्र नदियों में स्नान करने से साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है. कुंभमेला अर्थात अमरत्व का मेला. महाकुंभमेला लाखों करोड़ों तिर्थ यात्रियों को आकर्षित करने वाला एक भव्य उत्सव के साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम और आध्यत्मिक कार्यक्रम में लोगों को एकजुट करना जिसमें शाही स्नान की एक वृहद् श्रृंखला शामिल है. हजारों हजार भक्त अपने पापों को धोने के लिए पवित्र नदियों में स्नान करते हैं. चार तीर्थस्थान उज्जैन में शिप्रा नदी, प्यागराज में संगम, गंगा हरिद्वार, गोदावरी नाशिक. साधु, तपस्वी, संत ऋषि-मुनि, चर्चा, ध्यान, और ज्ञान की सभा करने के लिए सब एकसाथ आते हैं. सभी उपस्थिति लोगों में समृद्धि अनुभव प्रदान करते है. त्रिवेणी संगम पर आने वाले तीर्थ यात्री प्रयागराज में कई प्रतिष्ठित मंदिरों के दर्शन करते हैं. संत समर्थ गुरुरामदास जी द्वारा स्थापित दारागंज में ही लेटे हुए हनुमानजी का मंदिर, शिव, पार्वती, गणेश,भैरव, दुर्गा, काली और नवग्रह की मूर्तियाँ और पास में राम, जानकी और हरित माधव मंदिर, जो अध्यात्मिक वातावरण में चार चांद लगाते है. आलोपशंकरी मंदिर, नागदेवता का सम्मान करनेवाला नाग वासुकी मंदिर, भी यहाँ का अत्यंत लोकप्रिय है. जो दर्शन करने वाले भक्तों के लिये आज सज्ज हैं. आजही मौनी आमावस्या के दिन संगम नगरी प्रयागराज में स्वर्ग के देवता पृथ्वी पर आकर संगम में पवित्र स्नान करने आये सभी साधु संतों और श्रद्धालुओं की इच्छित मनोकामनायें पूर्ण कर देते हैं. और उनके अंतर्मन को प्रकाशित कर हर पापों से मुक्ति प्रदान कर देते हैं. इसलिए हिंदू आस्थाओं से जुड़ा मौनी अमावस्या का त्यौहार हर पाप से मुक्ति प्रदान करने वाला सर्वोत्तम और पवित्र फलदायी उपहार माना गया है.

हमारे ऐतिहासिक स्थलों की उपेक्षा बहुतायत की समस्या या आलस्य का परिणाम

महामारी के बाद अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में वृद्धि लगभग एक वैश्विक स्वरूप ले चुकी है और जब विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की बात आती है तो कहानी बहुत अलग नहीं है। विदेश जाने वाले भारतीय यात्रियों की संख्या पूर्व कोविड स्तर से अधिक हो गई है। हालांकि बात जब भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की आती है तो तस्वीर उतनी रोमांचक नहीं दिखाई पड़ती।

पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2024 के पहले 6 महीनों में 47.78 लाख विदेशी पर्यटकों ने भारत का दौरा किया जो वर्ष 2023 की तुलना में 9.1 प्रतिशत अधिक है लेकिन 2019, जो कोविड-19 को वैश्विक महामारी घोषित होने से पहले का वर्ष था, की इसी अवधि की तुलना में 9.8 प्रतिशत कम है। हालांकि इससे 132 लाख करोड़ की आमदनी हुई और 32.1 मिलियन लोगों को नौकरियां मिलीं। दूसरी ओर 2024 में फ्रांस में 89.4 मिलियन,स्पेन में 83.7 मिलियन, अमरीका में 79.3 मिलियन और चीन में 65.7 मिलियन पर्यटक आए। "वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम" (डब्ल्यू.ई.एफ.) के 2024 यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (टी.टी.डी.आई.) में भारत 119 देशों की सूची में 39वें नम्बर पर है। यह पूछने पर कि किन विशेषताओं के कारण वे छोटे से देश फ्रांस में जाना पसंद करते हैं तो पर्यटक वहां के ऐतिहासिक स्थलों, प्रतिष्ठित इमारतों, भोजन, वहां के शिल्प और कला तथा संग्रहालयों का उल्लेख करते हैं। इसी प्रकार स्पेन जाने वाले पर्यटकों द्वारा वहां की स्वच्छ हवा, पानी और दर्शनीय स्थलों को मुख्य आकर्षण बताया जाता है।

भारत की बात करें तो हमारी एकमात्र उपलब्धि सिर्फ मैडीकल टूरिज्म है जिसमें हमारा विश्व में पांचवां स्थान है जबकि राष्ट्रीय पर्यटन की अन्य श्रेणियों में हमारा कोई महत्वपूर्ण स्थान नहीं है। भारत, जहां कदम-कदम पर इतिहास की छाप मौजूद है,दर्शनीय इमारतों की बहुतायत है और हमारे प्रत्येक राज्य के विविधतापूर्ण भोजन, नृत्य, कला, संस्कृति, जीवन शैली की अपनी एक अलग विशेषता है, फिर भी यहां विदेशों से पर्यटक क्यों नहीं आना चाहते? इसका सर्वप्रथम कारण है हमारे धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर स्वच्छता का अभाव। इसके अलावा एक बड़ा कारण है हमारी सरकारों का पर्यटन को बढ़ावा देने पर उतना ध्यान नहीं देना, जितना उन्हें देना चाहिए। ऐसे ही उपेक्षित स्थलों में से एक है दिल्ली से लगभग 150 किलोमीटर दूर हिसार के निकट स्थित हड़प्पा सभ्यता का स्थान राखीगढ़ी। यहां खुदाई के दौरान प्राप्त वस्तुओं में खेल-खिलौने, छलनी, विभिन्न औजार, पालतू पशुओं के अवशेष, तांबे और कांसे के सामान, पॉटरी, गहने और हड़प्पा कालीन लिपि युक्त मुद्राएं आदि शामिल हैं।

अब इस बात की भी पुष्टि हो चुकी है कि हड़प्पा सभ्यता के लोग न केवल खेलों के शौकीन थे बल्कि मनोरंजन के भी। वहां खुदाई में मिट्टी की ईंटों से बना एक स्टेडियम भी मिला है जिसमें ढलान युक्त सीढ़ीनुमा बैठने के स्थान तथा ठंड से बचने के लिए आग जलाने के स्थान भी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि उस युग में आयोजन रात के समय भी चलते थे जबकि पाश्चात्य सभ्यताओं में रोम में कॉलेजियम तो थे परंतु वहां इस तरह के खेल आयोजन स्थलों के कोई अवशेष नहीं पाए गए।

ऑल इंडिया केमिस्ट ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैः जगन्नाथ शिंदे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के सामाजिक कार्यकर्ता एवं ऑल इंडिया केमिस्ट ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे (अप्पा) का 75वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दिनभर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गए। सभी पार्टियों के नेताओं ने मिलकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। पूरे देशभर से डॉक्टर, केमिस्ट आए हुए थे। मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने अप्पा शिंदे के जीवनी पर बुक का भी विमोचन किया।

महाकुंभ में भगदड़ विपक्ष और सनातन विरोधियों की साजिश तो नहीं?

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाकुंभ में मची भगदड़ में तीस लोगों की मौत के बाद अब आरोप प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। विहिप नेता मुकेश दुबे ने हादसे पर संवेदना प्रकट करते हुए भगदड़ के लिए विपक्षी दलों पर साजिश रचने की आशंका जैसा गंभीर आरोप लगा दिया है। उन्होंने सरकार से इस साजिश की जांच तक की मांग कर दी है। दुबे का इशारा राहुल गांधी और अखिलेश यादव की ही तरफ था। उन्होंने महाकुंभ के आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर तारीफ भी की। और कहा फिक्र न करिए योगी बाबा किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेगे। दुबे ने कहा कि बीते दिनों महाकुंभ परिसर में आग लगना। अयूब खान नाम के शख्स का साधु के भेष में मेला क्षेत्र से पकड़ा जाना और फिर अब भगदड़ मचना ये सिर्फ एक संयोग नहीं हो सकते है। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है, कि इसके पीछे विपक्ष और सनातन विरोधियों की कही कोई साजिश तो नहीं है? इसकी तह तक जांच की जाए और अगर कोई दोषी है तो उसे कठोर दंड दिया जाए।

उत्तर पश्चिम मुंबई जिला कांग्रेस प्रभारी बनाए गए डॉ किशोर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष सांसद वर्षा गायकवाड द्वारा आज जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार मुंबई कांग्रेस के महासचिव डॉ. किशोर सिंह को एक और महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी देते हुए उन्हें उत्तर पश्चिम मुंबई का प्रभारी नियुक्त किया गया है। समझा जाता है कि पार्टी के प्रति उनकी संपूर्ण निष्ठा तथा समर्पित कार्यों को देखते हुए उन्हें यह दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। डॉ किशोर सिंह ने कहा कि वे पार्टी के एक निष्ठावान सिपाही की तरह दी गई जिम्मेदारियां का निर्माण पूरे मनोयोग के साथ करेंगे। उन्होंने दी गई जिम्मेदारी के लिए मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड का आभार माना है।

श्री सीताराम परिवार करेगा सनातन धर्म का प्रचार

ठाणे। श्री सीताराम परिवार नागरिकों में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए अलख जगाने हेतु तत्पर है। जो समय-समय पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का कार्यक्रम करते आरहा है। इस श्री सीताराम परिवार के संस्थापक समाजसेवी विनोद तिवारी है। और इस परिवार के प्रेरणा स्त्रोत समाजसेवी महेंद्र उपाध्याय है। उक्त सभी धार्मिक आयोजन व्यास शिव सागर मिश्र की टीम द्वारा अलग-अलग मंदिरों व सोसाइटियों में किया जा रहा है। इस श्री सीताराम परिवार के बारे में जानकारी देते हुए व्यास मिश्र ने बताया कि श्री सीताराम परिवार एक ऐसा परिवार है जिसमें सभी मानस मंडल इसमें समाहित है। जो आयोजन नगर उपनगर में किया जाता हैं। इसका उद्देश्य समाज में सनातन धर्म के जरिए एक दूसरे से जोड़ने का कार्य कर रहा है। प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा हेतु 11000 बार हनुमान चालीसा का संपन्न किया गया। तथा कीर्तन रामायण के साथ 108 सुंदर कांड पाठ धार्मिक स्थान जैसे अयोध्या नासिक ठाणे,मुंबई मे किया जा रहा है। हिंदू सत्य सनातन धर्म को मजबूत बनाने के लिए यह धार्मिक अनुष्ठान किया जा रहा है। इसे सफल बनाने के लिए मार्गदर्शक लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आर शुक्ल, गोपाल पांडेय, भोला गिरी, अरविंद मिश्र, विशेष कार्यकारी अधिकारी आदेश मिश्र,प्रदीप पांडेय, अनिल मिश्र, रितेश पांडेय सहित कई अन्य मानस प्रेमी सहयोग कर रहे हैं।

विजय सालवे राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नयी मुंबई अध्यक्ष बने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रवादी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने संगठन को महाराष्ट राज्य भर में बढ़ाने के लिए जोरदार प्रयास शुरू कर दिया है। इसके अलावा पदाधिकारियों की नियुक्ति पर भी जोर दिया है। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी आर पी आय की एक सभा नयी मुंबई में संपन्न हुई। इस सभा में राष्ट्रवादी आर पी आय, पक्षाध्यक्ष नामदेव साबळे द्वारा विजय साळवे को नई मुंबई का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जबकि सन्यासराव यलमचिली को नई मुंबई उपाध्यक्ष, नियुक्त किया गया । वहीं सुधीर ठाकुर को नई मुंबई महासचिव तथा निशा गायकवाड को कोषाध्यक्ष घोषित किया । साथ ही धर्मेंद्र ठाकुर को सचिव पद पर नियुक्त किया गया ।इन सभी पदाधिकारियो को नई मुंबई की जबाबदारी दी गई है। इस कार्यक्रम मे लहू गड पाक्षिक के संपादक विजय क्षीरसागर , महाराष्ट्र प्रदेश सचिव अजय ठोंबे,मुंबई युथ रिपब्लिकन के अध्यक्ष एडवोकेट कनिष्क साबळे , तालुका अध्यक्ष वेंकटेश गोसाई सहित नई मुंबई के कार्यकर्ता और पदाधिकारी बडी संख्या में उपस्थित थे।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने की जेएनपीए में विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा

-अजीत सिंह

मुंबई(उत्तरशक्ति)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री श्री शांतनु ठाकुर ने भारत के बुधवार 29 जनवरी 2025 जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण का दौरा किया। जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने उनका स्वागत किया।

जनेप प्राधिकरण के अध्यक्ष और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक उन्मेष शरद वाघ, भा.रा.से., ने वाढवण पत्तन की प्रगति पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि परियोजना निर्धारित समय से पहले आगे बढ़ रही है, जो भारत की समुद्री व्यापार क्षमताओं को आगे बढ़ाने में बंदरगाह के रणनीतिक महत्व को रेखांकित करती है। मंत्री ने गोविंद बोडके, भा.प्र.से, जिलाधिकारी, पालघर और बालासाहेब पाटील, भा.पो.से., पुलिस अधीक्षक, पालघर को पर्यावरण मंजूरी की सुविधा, सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड की आधारशिला रखने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया।

इसके बाद यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय और वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। इस सहयोग के तहत, विश्वविद्यालय वाढवण पत्तन की प्रचालन आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक कौशल-आधारित कार्यक्रमों की रचना और संचालन करेगा। यह पहल प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने और कुशल छात्रों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे समुद्री क्षेत्र के लिए भविष्य के लिए तैयार कार्यबल पैदा होगा। ग्रीनफील्ड वाढवण पत्तन के लिए निकट तट भूमि उद्धार (रिक्लेमेशन) और तटीय सुरक्षा के निर्माण के लिए वाढवण पत्तन परियोजना लिमिटेड और मेसर्स आईटीडी सीमेंटेशन इंडिया लिमिटेड के बीच एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गये थे। मंत्री ने एक हितधारकों की बैठक को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने पत्तन उपयोगकर्ताओं और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ उनके दृष्टिकोण को समझने और भारत के समुद्री क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने और सुगम व्यापार संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए रणनीतिक पहलों पर चर्चा कर संवाद किया। इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा, ङ्गपत्तन राष्ट्र के आर्थिक विकास के प्रवेश द्वार हैं और जनेप प्राधिकरण भारत की समुद्री क्षमता का एक सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। यहां मैंने देखा कि कैसे बुनियादी ढांचे का विकास और प्रचालन संबंधी वृद्धि, प्रगति को प्रेरित कर रही है। हितधारकों के साथ बातचीत ने व्यापार की उभरती जरूरतों और अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला। वाढवण पत्तन जैसी रणनीतिक परियोजनाओं के साथ, हम व्यापार क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सरकार ऐसी नीतियों और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए समर्पित है जो समुद्री उद्योग को सशक्त बनाती है, लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करती है और वैश्विक व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है।ङ्ग इसके अतिरिक्त, अपनी यात्रा के दौरान शांतनु ठाकुर ने जनेप पत्तन में लैंडिंग घाट में प्रवेश द्वार भवन के निर्माण और इसके आसपास के क्षेत्र के विकास काम का भूमि पूजन किया। इस इमारत में मुंबई स्काईलाइन के सामने सूर्यास्त का मनोहारी दृश्य देखने हेतु एक स्थान होगा और एक कैफेटेरिया होगा। वीवीआईपी विश्राम स्थल, वाहनों की बेहतर पहुंच, सुरक्षा कर्मियों के लिए जगह और एक सूचना डेस्क, आदी सुविधा यात्रियों के आराम और स्थल प्रबंधन को और अधिक सुचारू बनाते है। मंत्री ने जनेप प्राधिकरण में सबसे कुशल कंटेनर टर्मिनलों में से एक जीटीआई का भी दौरा किया, जहां उन्हें जीटीआई के सीईओ द्वारा टर्मिनल प्रचालन के बारे में जानकारी दी गई। मंत्री ने केंद्रीकृत पार्किंग प्लाजा (सीपीपी) जनेप प्राधिकरण विशेष आर्थिक क्षेत्र एवं में विशेष आर्थिक क्षेत्र मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड) जैसे जनेप प्राधिकरण में प्रमुख बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया। उक्त आशय की जानकारी जनेप की वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन) अंबिका सिंह द्वारा मीडियाकर्मियों को साझा की गई है।

2024 में प्रमुख भारतीय आवासीय बाजारों में संपत्ति की कीमतों में तेज वृद्धि

मुंबई। भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में औसत संपत्ति मूल्यों में पिछले एक साल में 49% की भारी वृद्धि देखी गई, क्योंकि लक्जरी घरों की मांग कायम रही। डिजिटल रियल एस्टेट ट्रांजेक्शन और सलाहकार प्लेटफॉर्म प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि निर्माण सामग्री और श्रम की लागत में वृद्धि के बीच यह वृद्धि हुई है। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम ने रियल इनसाइट, रेजिडेंशियल एनुअल राउंड-अप 2024 शीर्षक वाली रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार 2024 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में शहरों में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि हुई, हालांकि अलग-अलग स्तर पर। हैदराबाद के दक्षिणी आवास बाजार में लगभग एक दशक की तेज वृद्धि के बाद मूल्य वृद्धि धीमी हो गई है, विश्लेषण में शामिल अन्य सभी शहरों ने दोहरे अंकों की वार्षिक वृद्धि दिखाई। दिल्ली-एनसीआर (गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद) में पिछले साल की तुलना में बाजारों में संपत्ति की कीमतों में सबसे ज्यादा याने की 49% की वृद्धि हुई। विश्लेषण में शामिल अन्य शहरों में अहमदाबाद में 10%, बेंगलुरु में 12%, चेन्नई में 16%, हैदराबाद में 3%, कोलकाता में 10%, मुंबई महानगर क्षेत्र (मुंबई, नवी मुंबई और ठाणे) 18% और पुणे में 16% की वृद्धि देखि गई। हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के समूह सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस तरह की मूल्य वृद्धि अंतर्निहित मांग, विकास की संभावनाओं और सकारात्मक खरीदार भावना का संकेत है। हालांकि, लागत दबाव ऐसे देश में सामर्थ्य संबंधी चिंताओं को और बढ़ा सकता है जहां आबादी का एक बड़ा हिस्सा घर खरीदने के लिए सरकारी सब्सिडी पर निर्भर करता है। मुद्रास्फीति में वृद्धि और विकास में मंदी के बीच सरकार को ऐसे नीतिगत उपाय शुरू करने चाहिए, जो किफायती आवास को बढ़ावा देने के इस महत्वपूर्ण पहलू का ध्यान रखें। आगामी बजट में कराधान कानूनों में सकारात्मक बदलाव और आरबीआई द्वारा दरों में कटौती भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग के लिए अधिक सामर्थ्य सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय कर सकती है। कंपनी ने अपने बयान में कहा, दिल्ली-एनसीआर में निवेश करने वाले उच्च-नेट-वर्थ वाले व्यक्तियों - यह क्षेत्र हाल ही में सूचीबद्ध 10 से अधिक स्टार्ट-अप का घर है - ने इस प्रतिष्ठित आवासीय बाजार के लिए विकास की गति को बनाए रखा है क्योंकि डेवलपर्स किफायती घरों की तुलना में प्रीमियम पेशकश को प्राथमिकता देते हैं। यह सबसे बड़ा कारण है कि गुरुग्राम (सालाना आधार पर 144% की वृद्धि), ग्रेटर नोएडा (सालाना आधार पर 54% की वृद्धि) और नोएडा (सालाना आधार पर 3% की वृद्धि) जैसे प्रमुख बाजारों में घरों की बिक्री में वार्षिक वृद्धि देखी गई।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस सफाई कामगार सेल की सभा संपन्न

मुंबई। मुंबई के परेल भोईवाडा स्थित राष्ट्रीय मिल मजदूर संघ के महात्मा गांधी सभागृह में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस की भव्य सभा गत दिनों संपन्न हुई। जिसमें राष्ट्रवादी सफाई कामगार सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद भाई परमार का जन्मदिन भी मनाया गया। सभा को संबोधित करते हुए गोविंद भाई परमार ने पिछले ३८ वर्षों से लंबित सफाई कामगारों की सभी समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए सफाई कर्मचारियों के कई मुद्दों को मंच पर उपस्थित सभी नेताओं के समक्ष रखा। परमार ने बताया कि सफाई कामगारों के ऊपर जबरदस्ती थोपे गए जातीय प्रमाणपत्र को हटाया जाना चाहिए। इसे सरकार द्वारा जारी किए गए २००४ के परिपत्रक के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार की लाड पागे समिति की सिफारिश के अनुसार वर्ष २०२४ में जारी किए गए परिपत्रक में हुई त्रुटियों मे सुधार कर उसे मुम्बई समेत पूरे महाराष्ट्र में लागू किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय के १९९५ के आदेश के अनुसार पूरे भारत के सफाई कार्यों में ठेकेदारी प्रथा बंद होनी चाहिए भाषण में विधायक और पूर्व मंत्री सचिन अहीर ,विधायक सुनील शिंदे एवं पूर्व महापौर किशोरी ताई पेडणेकर ने संबोधित किया। सूत्र संचालन विजय कदम ने किया।समारोह में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रताप निदाने, राजेंद्र राय शर्मा, सतीश कंडेरा, घनश्याम डकाह, ऋषिकेश गौर, प्रेमजी पटेल, सुरेश बागड़ी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सोशल मीडिया प्रमुख नवीन मकवाना , बिक्की बघेल, एस लीना डिसूजा सहित सभी पदाधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला के जन्मदिन पर चलो गांव की ओर कार्यक्रम का आयोजन

पालघर (उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता के साथ ही साथ सामाजिक कार्यों के लिए सुप्रसिद्ध पत्रकारों के संगठन बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला के जन्मदिन(01 फरवरी)कार्यक्रम के आयोजन को लेकर पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय के सरोवर होटल में गुरुवार 30 जनवरी 2025 को बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ङ्चलो गांव की ओरङ्ग कार्यक्रम के तहत सम्राट होटल चित्रालय से 01फरवरी 2025 को सुबह ठीक 9.30 बजे पत्रकारों एवं समाजसेवियों का जत्था वरिष्ठ पत्रकार रामप्रकाश निराला के जन्मदिन (01फरवरी) कार्यक्रम में शामिल होने हेतु रवाना किये जाने का निर्णय किया गया। बैठक में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सर्व प्रथम यह जत्था प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, तारापुर पहुंचेगा, जहां पर भर्ती गरजू मरीजों को फल- फ्रूट इत्यादि खाद्य पदार्थ भेंट की जायेंगी। इसके पश्चात पूरी टीम संतोषी माता मंदिर, आशागढ़ तथा महालक्ष्मी मंदिर, विवलवेढ़े के लिए रवाना होगी। जहां पर श्री संतोषी माता तथा महालक्ष्मी दर्शन-पूजन करने के पश्चात मंदिर परिसर में मौजूद गरीब जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री के साथ ही साथ कंबल व साड़ी इत्यादि जैसे वस्तुएं भेंट की जायेंगी। उक्त आशय की जानकारी कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर व संघ के महासचिव मोहन म्हात्रे द्वारा मीडियाकर्मियों को साझा की गई है।

पालघर पूर्व सांसद चिंतामन वनगा को दी श्रंद्धाजलि

वसई। वसई में आज भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश, केरल शाखा के 'अटल स्मृति' कार्यालय में उत्तम कुमारने पालघर के पूर्व सांसद स्व, चिंतामण वनगा की पुण्य तिथि मनाई गई। पालघर के पूर्व विधायक और चिंतामन वनगा के पुत्र श्रीनिवास वनगा की प्रमुख उपस्थिति में सभी भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने चिंतामन वनगा की छवि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। चिंतामन वनगा की मृत्यु के बाद वसई-विरार और पूरे पालघर जिले की राजनीति में भूचाल आ गया और राजनीति को एक नई दिशा मिल गई। उनका प्रत्यय आज आया है और पालघर जिले में भाजपा-महायुति के 5 विधायक हैं। दर्शकों को संबोधित करते हुए श्रीनिवास वनगा ने कहा, उत्तम कुमार और मेरे पिता के बीच बहुत करीबी रिश्ता था। यह उसी प्रेम का परिणाम है कि मैं आज वसई आया हूं, हालांकि मेरे पिता को श्रद्धांजलि देने के लिए तलासरी में कई कार्यक्रम हैं। उन्होंने वनवासी कल्याण केंद्र और प्रगति प्रतिष्ठान के माध्यम से आदिवासियों के उत्थान के लिए कई वर्षों तक ईमानदारी से काम किया। उन्होंने आदिवासी समुदाय के विभिन्न मुद्दों को लेकर विधानसभा और संसद में लगातार आवाज उठाई। वह बेहद सरल जीवनशैली और निष्पक्ष एवं लक्ष्य-उन्मुख व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। इस अवसर पर बोलते हुए, उत्तम कुमार ने कहा, 'यह चिंतामन वंगाजी ही थे जिन्होंने आम लोगों को उनमें से एक होने का एहसास दिलाया। वसई तालुका में उनके बारे में यह कहा जाता था कि अगर मैं उन्हें वसई में साधारण गेहूं वितरण कार्यक्रम के लिए भी आमंत्रित करूं, तो भी वे आएंगे। आज वसई-विरार में बीजेपी की सफलता में उनकी बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने जो रिश्ता निभाया...कार्यकताओं को जो सम्मान दिया, उसी के कारण पार्टी आज यहां तक पहुंची है। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी सिद्धेश तावड़े, शेखर धुरी, सुरेश प्रजापति, अभय कक्कड़, बाला सावंत, शेमल अजगिया, वैभव चेंडेकर, जय प्रकाश पांडे, संजय अचीपलिया, राजेश चोटलिया, ऋषि वोरानी, मनोज शर्मा, रमेश पाल, सचिन चौबे, प्रणीत कोपिकर ने चिंतामन वनगा को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट आबा परब भारी मतों से विजई

भायंदर। वसई ब्रांच ऑफ आईसीएआई के चुनाव में सी ए आबा परब ने भारी वोटो से विजय हाशिल की है ।आबा परब ने पिछले ३ वर्षों से सी ए युवा के गौरव के प्रतीक बने हुए है क्योंकि इन्होंने क्रिकेट के बहुत सारे टूनामेंट के आयोजन में भूमिका अदा की है ।वसई ब्रांच के चुनाव में ९ लोगो की कमेटी में १६५ वोट लाने पर २ नंबर लाने का स्थान प्राप्त किया है ।आबा परब विकासा चेयरमैन रहते हुए पूरे भारतवर्ष में ब्रांच का डंका बजाते हुए पूरे भारत में दूसरा स्थान का अवार्ड हासिल किया जिसने पूरी टीम का साथ और सपोर्ट रहा। सभी पूर्व चेयरमैन और ब्रांच के सदस्यों ने सी ए आबा परब को बधाई और शुभकामना दी है साथ ही उज्जवल भविष्य की कामना की है।

किंडर क्रीमी ने स्टार मॉम्स समीरा रेड्डी और मीरा राजपूत कपूर के साथ यम्मी अप्रूव्ड बाय मम्मी अभियान किया लॉन्च

मुंबई। जब बच्चों के स्नैक्स की बात आती है, तो माताओं को हमेशा सबसे अच्छा पता होता है। आज की माताएं अपने बच्चों के खेल-मजेदार मूड का ध्यान रखती हैं और उन्हें दिए गए स्नैक्स की गुणवत्ता और मात्रा सुनिश्चित करती हैं। ऐसे स्मार्ट पेरेंटिंग को सम्मानित करते हुए, किंडर क्रीमी, किंडर का मिनी स्नैक, ने अपने नवीनतम ब्रांड फिल्म में अभिनेत्री समीरा रेड्डी और इन्फ्लुएंसर मीरा राजपूत कपूर के साथ सहयोग किया है। इस अभियान में आधुनिक और गर्वित पेरेंटिंग का सार खूबसूरती से कैद किया गया है, जहाँ खेलपूर्ण क्षणों को सोच-समझ कर किए गए चुनावों के साथ संतुलित किया जाता है।

श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के 150 वें जन्मोत्सव पर 'विश्व वैष्णव सम्मेलन' संपन्न

मुंबई। गौड़ीय मिशन,श्री राधा कृष्ण मंदिर, बांद्रा पूर्व, मुंबई के तत्वावधान में गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील भक्तिसिद्धांत सरस्वती गोस्वामी प्रभुपाद के 150 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में एक भव्य नगर संकीर्तन शोभायात्रा एवं ङ्कविश्व वैष्णव सम्मेलनङ्ग का आयोजन किया गया। जिसमे घनसावंगी विधानसभा के विधायक हिकमत उढाण प्रमुख अतिथि के रूप में पहुंचे थे तो वहीं शिवसेना के विभागप्रमुख कुणाल सरमलकर विशेष अतिथि व पूर्व नगरसेवक सुभाष कांता सावंत अतिथि के तौर पर विराजमान हुए.

सम्मेलन के प्रथम सत्र अर्थात 28 जनवरी को शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा के पश्चात वैष्णव सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें वक्ता के रूप में गौड़ीय मिशन के आचार्य एवं अध्यक्ष श्रीमद् भक्ति सुंदर संन्यासी गोस्वामी महाराज, श्रीचैतन्य गौश्री गौड़ीय मिशन मुंबई के अध्यक्ष एवं आचार्य श्रीपाद भक्ति विचार विष्णु महाराज तथा गौड़ीय मिशन वृंदावन अध्यक्ष श्रीपाद भक्ति भास्कर भारती महाराज आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का समापन गौड़ीय मिशन के युवा मंडली द्वारा महामंत्र की धुन पर गौडीय नृत्य की प्रस्तुति के साथ हुआ।

विश्व वैष्णव सम्मेलन का दूसरा सत्र 29 जनवरी को सम्पन्न हुआ, जिसकी शुरूआत भजनों की अमृतवर्षा से हुई। सभी भक्त भजनों की रसधारा में सराबोर हो गए। सभा में वक्ता के रूप में श्रील भक्ति विचार विष्णु महाराज, श्रीपाद भक्ति विजय वैखानस महाराज, अध्यक्ष और आचार्य , श्री गौर गोबिंद गौड़ीय मठ, मायापुर श्रीपाद भक्ति सुहृद परमाद्वैती महाराज, आध्यात्मिक प्रचारक, श्री चैतन्य मिशन, एवं अध्यक्ष, श्री राधा गोविंद मंदिर उपस्थित थे। सभा का संबोधन करते हुए श्रीपाद भक्ति रक्षक ऋषिकेश महाराज ने सभी वक्ताओं का स्वागत किया एवं यथोचित सत्कार किया। श्रीमद् भक्ति वैखानस महाराज ने अपनी व्यकत्व बताया कि जिस प्रकार जीवों के कल्याण के लिए महर्षि वेदव्यास ने भारी तपस्या करके वेदों का विभाजन किया, अष्टादश पुराण उपनिषद आदि की रचना की। और उन सभी का ज्ञान संपत्ति के रूप में' अपने पुत्र को प्रदान करके सम्पूर्ण विश्व में वितरित किया ठीक उसी प्रकार श्रील भक्ति विनोद ठाकुर ने भी भक्ति प्राप्ति के लिए संपूर्ण सिद्धांत विश्व के कल्याण हेतु अपने पुत्र श्रील प्रभुपाद को प्रदान किया। जिसका श्रील प्रभुपाद में पूरे विश्व में प्रचार किया। इसके बाद श्रीपाद भक्ति सुहृद परमाद्वैती महाराज ने अपनी वक्तव्य में उल्लेख किया कि आज जितने भी गौड़ीय मिशन, मठ या इस्कॉन हैं उन सबके मूल में श्रील प्रभुपाद ही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह केवल हमारी वाणी ही नहीं बल्कि सभी शास्त्रों की वाणी है। उत्कले पुरुषोतमात अर्थात उड़ीसा में जिसका जन्म होगा उन्हीं के द्वारा संपूर्ण विश्व में महाप्रभु की वाणी प्रचारित होगी। ।हरे कृष्ण हल्दार एवं अन्य युवा बच्चों द्वारा भव्य मृदंग वादन, भरतनाट्यम आदि का प्रदर्शन हुआ। इसके बाद श्रील भक्ति विचार विष्णु महाराज ने सभा का संबोधन किया।

सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने 2024 में 30 जरूरतमंदों को दी आर्थिक सहायता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मायानगरी मुंबई में सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कार्यरत सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट ने वर्ष 2024 में शिक्षा, चिकित्सा और विवाह जैसे आवश्यक क्षेत्रों में 30 जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया। ट्रस्ट के महासचिव विनोद कुमार प्रजापति, जो जौनपुर (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी हैं और वर्तमान में मुंबई में रह रहे हैं, समाज सेवा के इस कार्य में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट की स्थापना वर्ष 2014 में अजय प्रजापति द्वारा की गई थी। उनकी विचारधारा से प्रेरित होकर विनोद कुमार प्रजापति ने 2015 में इस संस्था से जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता का संकल्प लिया। तब से यह ट्रस्ट लगातार समाज के कमजोर वर्गों को मदद पहुंचाने का कार्य कर रहा है। यह संस्था न केवल मुंबई बल्कि पूरे भारत में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की मदद करती है। शिक्षा, चिकित्सा सहायता और विवाह के दौरान उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने में यह ट्रस्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण प्रजापति, कोषाध्यक्ष इंद्रजीत प्रजापति, एवं अन्य प्रम4 ुख सदस्य राजेंद्र प्रजापति, पियूष प्रजापति, रविंद्रनाथ प्रजापति सहित हजारों सदस्य इस सेवा कार्य में जुटे हुए हैं। विनोद कुमार प्रजापति का कहना है, ङ्कहमारी संस्था का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करना है। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा, चिकित्सा या विवाह जैसी महत्वपूर्ण जरूरतों से वंचित न रहे। ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आगामी वर्षों में संस्था की योजना शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम शुरू करने की है, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभ मिल सके। सर्व प्रजापति शक्ति ट्रस्ट का यह प्रयास समाज सेवा की एक मिसाल है, जो निस्वार्थ सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों के जीवन में उम्मीद की किरण बन रहा है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां.सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941, Email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार बस से टकराई, तीन की मौत

सतहरिया में हुए हादसे में तीन गंभीर रूप से घायल

रियाजुल हक

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर-रायबरेली हाईवे पर सतहरिया पुलिस चौकी के पास गुरुवार को तड़के करीब 4:30 बजे कुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक वैगनआर कार और रोडवेज बस में आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया। जहां उनकी नाजुक हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सभी लोग महाकुंभ स्नान कर लौट रहे थे श्रद्धालु महराजगंज और गोरखपुर जिले के छह लोग प्रयागराज में महाकुंभ स्नान कर वैगनआर कार से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार सतहरिया पुलिस चौकी के पास पहुंची। सामने से आ रही सिकंदराबाद डिपो की तेज रफ्तार रोडवेज बस से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। मृतकों और घायलों की पहचान हादसे में कार चालक संजय सिंह (45) निवासी धनहानायक, महराजगंज, उनकी पत्नी विद्यावती सिंह (43), बिंदु सिंह (40) पत्नी राजकुमार सिंह, विमला देवी (50) पत्नी सुभाष सिंह,

महेश तिवारी (52) और उनकी पत्नी किरन देवी तिवारी (47) सवार थे। टक्कर में संजय सिंह, बिंदु सिंह और विमला देवी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि महेश तिवारी, विद्यावती सिंह और किरन देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को पहुंचाया पास के अस्पताल घटना की सूचना मिलते ही सतहरिया चौकी प्रभारी गंगा सागर मिश्र मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया भेजा गया। जहां से गंभीर हालत को देखते हुए तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गनीमत बस में नहीं थे यात्री हादसे के समय बस में कोई यात्री नहीं था। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है और मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसों के कारण की जांच में जुटी हुई है पुलिस जौनपुर पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे अन्य कानूनों की कार्रवाई की जा रही है।हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

कुंभ नहाने गई जौनपुर की दो महिलाएं भगदड़ में हुई मौत का शिकार, दोनों आपस में सास-बहू

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहू तहसील के इटाएं बाजार के बगल पूरवा गांव निवासी एक सास व बहू की प्रयागराज महाकुंभ भगदड़ में मौत हो गई है। परिजनों की माना जाए तो दोनों महिलाओं की पोस्टमार्टम हो गई है। लाश देर रात घर पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। दोनों महिलाओं की मौत पर परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। जौनपुर से रिपोर्टर रियाजुल ने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ में गई सास-बहू की जान, परिवार में मचा कोहराम रियाजुल ने बताया कि मड़ियाहू थाना क्षेत्र के इटाएं बाजार निवासी रामपति देवी और दूसरे रीता देवी पत्नी पंकज राजभर बुधवार को मौनी अमावस्या पर स्नान करने के लिए मंगलवार की रात संगम तट की रेती पर परिजनों के साथ बैठी थी जहां पर रात में अफवाह के चलते भगदड़ मच जाने के कारण दोनों भाग नहीं पाई और श्रद्धालुओं के पैर के नीचे दब जाने के कारण दम घुटने से मौत होना बताया जा रहा है। परिजनों की माना जाए तो दोनों महिलाओं के लाश का पोस्टमार्टम हो चुका है और घर आने की तैयारी चल रही है। देर रात लाश के घर आने की संभावना जताई जा रही है। श्रद्धालु महिलाओं की मौत को लेकर इटाएं बाजार की पूरवा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का घर पर तांता लगा हुआ है वही परिजनों में मौत पर कोहराम मचा हुआ है।

जौनपुर में दिखा पुलिस का अमानवीय रूप, महिला को घसीटकर घर से बाहर निकाला

नारी सशक्तिकरण को विचलित कर देने वाली तस्वीर आई सामने

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र व प्रदेश सरकार नारी सशक्तिकरण के लिए क्या कुछ नहीं कर रही है लेकिन कभी-कभी कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आती है जो विचलित कर देती है। ताजा मामला केराकत कोतवाली क्षेत्र का है। यहां पर एक महिला को पुलिस द्वारा जमीन पर घसीटते हुए ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। इसका वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो केराकत कोतवाली अंतर्गत औरी गांव का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कैसे महिला सिपाही के साथ महिला का हाथ पकड़कर घर से बाहर घसीटते हुए निकाल रही है। कह रहे है कि तुम्हारी नौटंकी भुलवा देंगे। साथ ही महिला द्वारा ईंट से मारने की बात कही जा रही है जिस पर महिला कह रही है कि हम ईंट से नहीं मारे हैं। ये लोग गालियां देते हुए मारने के दौड़े रहे थे,मगर सिपाही द्वारा बार-बार ईंट से मारने का आरोप महिला पर लगाते सुना जा सकता है जिस पर महिला ईंट से मारने की बात को नकार रही है और अपने बच्चों की कसम भी खाते दिखाई पड़ रही है। जमीन पर घसीटती हुए महिला की साड़ी का पल्लू नीचे गिर गया बाबजूद इसके भी महिला को पुलिस द्वारा घसीटा जा रहा था। भीड़ में खड़े किसी ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।वायरल को लेकर एक बार फिर केराकत पुलिस की जमकर किरकिरी हो रही है।हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि हम नहीं कर रहे हैं। भूमि विवाद का मामला क्षेत्र ने औरी गांव निवासी पारसनाथ यादव व मेवालाल यादव के बीच काफी समय से भूमि विवाद चला आ रहा है, जिसकी दर्जनों शिकायतें दर्ज होने के बाद नायब तहसीलदार अमित सरोज के नेतृत्व में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम में घूर व गड्ढा खाते की भूमि पर कब्जा हटवाने गई थी। इसी दौरान घटी घटना का वीडियो है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। महिला सिपाही पर मारने पीटने का आरोप औरी गांव निवासी मीना देवी पत्नी हीरालाल यादव ने बताया कि विवादित जमीन की नापी करने के लिए टीम आई थी तो हमारे घर कोई नहीं है इसीलिए नापी करने से मना कर रहे थे जिस पर मौजूद नायब तहसीलदार हमें मौके से भाग जाने की बात कहे जिसके बाद मैं घर में चली गई। कहासुनी हो रही थी इतने ने मिथलेश सिपाही महिला सिपाही के साथ घर में घुस मारपीट करते हुए घर से बाहर घसीटते हुए थाने लाकर न्यायालय भेज दिया गया जिसके बाद मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी से मेडिकल कराने को लेकर पत्रक सौंपा गया गया। डीएम से मिला न्याय का आश्वासन दिव्यांग हरिश्चंद्र यादव ने बताया कि मेरे सामने ही मेरी मां को मिथलेश सिपाही द्वारा मारा पीटा गया। मैं चीखता चिल्लाता रहा जब मेरी मां को जमीन पर घसीटते हुए बाहर लाया गया तो हर कोई वीडियो बनाने लगा। जिसके बाद मेरी मां को थाने लाकर न्यायालय भेज

दिया गया। जिसके बाद जिलाधिकारी के पास पहुंच पत्रक सौंप न्याय की गुहार लगाई गई जिस पर जिलाधिकारी द्वारा न्याय आश्वासन दिया गया। महिला को घर से बाहर घसीटते हुए लाना गलत है।वायरल वीडियो को लेकर औरी गांव के पूर्व प्रधान राजेश सिंह ने कहा कि नायब तहसीलदार के नेतृत्व में जो टीम मौके पर पहुंच नापी कर बुलडोजर चलाया गया वह गलत है।जिस काम के टीम वहां पर गई थी वह काम न कर के मेवालाल के कब्जे में जो जमीन थी उसे ही हटवा दी।साथ ही जिस तरह एक महिला को उसके घर से घसीटते हुए बाहर लाया गया वह सभ्य समाज व कानून के रूप में गलत है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। हम लोग अपने मढ़हे में कैसे लगा सकते हैं आग मढ़हे में लगी आग को लेकर काजू यादव ने बताया कि जिस मढ़हे में आग लगी थी वह मेरा मड़हा है और हम लोग अपने ही मड़हे में कैसे आग लगा सकते हैं। जिस समय बुलडोजर की कार्यवाही हो रही थी। उस समय राजस्व विभाग द्वारा कहा गया कि मड़हे में रखा सामान बाहर निकाल लो उस पर बुलडोजर चलेगा। जिस कारण हम लोग आनन फानन ने मड़हे से सामान निकाल रहे थे कि मड़हे ने लगे स्टार्टर के तार के खिंचाव से शॉर्ट सर्किट होने से निकली चिंगारी से आग लग गई जिस पर प्रशासन द्वारा आग पर काबू पाया गया।

कुंभ नहा कर आ रहे श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर से टकराई, आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालु हुए घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद गुरूवार को महाकुंभ मेले से जिला बस्ती को लौट रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस सुबह सुबह ट्रक की भीषण टक्कर से हादसे का शिकार हो गई। उक्त घटना जलालपुर थाना क्षेत्र के हौज टोल प्लाजा के 300 मीटर पहले हुई, जहां बस की टक्कर एक ट्रेलर से हो गई। हादसे में कुल डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों को हल्की फुल्की चोटें आयी हैं। घायलों में से रामअजोर पुत्र रामचन्द्र 65 अकेला कुबेरपुर बस्ती के अनुसार उनके गांव व बगल के एक गांव के कुल 60 लोग एक निजी बस से कुम्भ मौनी अमावस्या को स्नान करने गये थे। वहीं से लौटते समय उनकी बस ट्रेलर से पीछले हिस्से से टकरा गयी। टक्कर इतना जोरदार था कि बस का अगला हिस्सा छतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी लोगों का इलाज कराकर अब दूसरी बस का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे अपने घरों को वापस पहुंच सके। लेकिन कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। ये हैं घायल। इन्द्रावती पत्नी देवबली अकेला कुबेरपुर बस्ती शारदा देवी पत्नी लालता अकेला कुबेरपुर बस्ती आरती देवी पत्नी रामआसरे अकेला कुबेरपुर बस्ती पूनम देवी पत्नी मंजुलता अकेला कुबेरपुर बस्ती रमावन्ती पत्नी रामप्यारे 58 अकेला कुबेरपुर बस्ती रामप्यारे पुत्र शम्भू 62 अकेला कुबेरपुर बस्ती रामआसरे पुत्र रामचन्दर 65 अकेला कुबेरपुर बस्ती सुभाष चन्द्र पुत्र धीरज सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती सीताराम शर्मा पुत्र रामशकल शर्मा 55 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती कोमल पत्नी हुबलाल सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती गीता शर्मा पत्नी नरेन्द्र शर्मा 40 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती नरेन्द्र शर्मा पुत्र सीताराम सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती नैतिक शर्मा पुत्र सुभाष चन्द्र शर्मा 11 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती सरोज शर्मा पत्नी सुभाष शर्मा 30 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती कुसुम देवी पत्नी हरिशंकर 62 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती गोदावरी पत्नी सीताराम 55 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती कमली पत्नी श्यामलाल 45 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती राम सिधारे पत्नी छोटेलाल 60 सिकरा हकीम थाना मुन्डेरका बस्ती रामअजोर पुत्र रामचन्द्र 65 अकेला कुबेरपुर बस्ती हैं।

महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर शांति और अहिंसा का लिया गया संकल्प

आजमगढ़,(उत्तरशक्ति)। महात्मा गांधी के शहादत दिवस 30 जनवरी को रैदोपुर, आजमगढ़ स्थित गाँधी प्रतिमा पर आजमगढ़ नागरिक समाज द्वारा संकल्प सभा का आयोजन किया गया। महात्मा गाँधी के शहादत दिवस को शांति, अहिंसा के संकल्प दिवस के रूप में मानते हुए महाकुम्भ में हुए हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। श्रद्धांजलि सभा में साहित्यकार, कवि, पत्रकार, अधिवक्ता, युवा और बड़ी तादात में किसान संगठनों के लोग मौजूद रहे। महात्मा गाँधी को श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए वक्ताओं ने आज के भारत में व्याप्त हिंसा और नफरत को हराने के लिए गाँधी के विचारों को सबसे मजबूत बताया। महात्मा गाँधी ने सत्याग्रह का जो रास्ता दिया उस रास्ते पर दुनिया का सबसे बड़ा किसान आंदोलन भारत में हुआ, जहां साढ़े सात सौ से अधिक किसान शहीद हो गए। आंदोलनों के बल पर आजाद भारत में जब भी आंदोलनों की आवाज दबेगी, गाँधी जनता के साथ सड़क पर खड़े नजर आएंगे। भारत की दुनिया में पहचान बुद्ध, गाँधी और अम्बेडकर से है। महात्मा गाँधी को जिस हिंसा ने शहीद किया।हमें संकल्प लेना होगा कि उस नफरत की राजनीति का भारत में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। प्रेम, अहिंसा और बंधुत्व के साथ हम सबको रहना होगा। संकल्प सभा में साहित्यकार सत्यम प्रजापति, एनएपीएम से राज शेखर, किसान नेता राजीव यादव, शायर आदित्य आजमी, पूर्वांचल किसान यूनियन महासचिव वीरेंद्र यादव, अधिवक्ता विनोद यादव, कवि राजनाथ यादव, कांग्रेस नेता मंतराज यादव, हीरालाल यादव, अवधेश यादव, वरिष्ठ पत्रकार सुनील कुमार दत्ता, कर्मवीर यादव, नजम शमीम, श्याम सुंदर मौर्या, नंद लाल यादव, आम आदमी पार्टी के प्रादेशिक अध्यक्ष राजेश यादव, समाजिक न्याय आंदोलन से राजेंद्र यादव, महेंद्र यादव, शहजाद कमर, अमरजीत यादव, आफताब आलम, प्रदीप यादव, आर्यन प्रजापति, अजमल खान, नीरज यादव, तफसीर आलम और सूफियान खान, आदि मौजूद रहे।

गांधी ने राष्ट्र के लिए जीवन किया समर्पित: कुलसचिव

विश्वविद्यालय में महात्मा गाँधी को पुण्यतिथि पर किया गया नमन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी के शहीद दिवस पर गांधी वाटिका में उनकी मूर्ति पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन अत्यंत सरल था उन्होंने सदैव समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की कामना की। गांधी जी ने देश की सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया।वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि महात्मा गांधी जी के जीवन दर्शन से हमें सीख मिलती है कि सादगी से भरा जीवन ही हमें सच्चा सुख दे सकता है। परीक्षा नियंत्रक विनोद कुमार सिंह ने कहा कि उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। गांधी जी एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे

जहाँ हर व्यक्ति समानता, सद्भाव और न्याय के साथ जीवन व्यतीत कर सके। प्रो. विक्रम देव ने कहा कि राष्ट्रपिता गांधी के सपनों का भारत बनाने हेतु संकल्पित होना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। वे सत्य अहिंसा, स्वदेशी, ग्राम स्वराज के प्रबल समर्थक पक्षधर एवं प्रचारक थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया। इस अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, एनएसएस समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, उपकुलसचिव अजीत सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. मनोज पाण्डेय, डॉ अमित मिश्र समेत विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को सत्यापित एवं अग्रसारित किये जाने की तिथि 3 फरवरी तक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि संयुक्त सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, पिछड़ा वर्ग कल्याण के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) छात्रों अन्य दशमोत्तर कक्षाओ हेतु को लाभान्वित कराये जाने हेतु संशोधित समय-सारिणी निर्गत की गयी है समय-सारिणी के अनुसार शिक्षण संस्थान स्तर से छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को 3 फरवरी 2025 तक सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना है। शिक्षण संस्थान स्तर से छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाने की तिथि 3 फरवरी, 2025 तक, विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा रिजल्ट अपलोड किये जाने कि तिथि 3 फरवरी, 2025 तक तिथि निर्धारित है।अतः ऐसे समस्त संस्थान जिनके स्तर पर छात्रवृत्ति डाटा अग्रसारित किया जाना शेष है 3 फरवरी, 2025 के पूर्व अपनी लांगिन से छात्र/छात्रों का छात्रवृत्ति डाटा अग्रसारित करना सुनिश्चित करें। किसी भी संस्थान के स्तर से डाटा समयान्तर्गत अग्रसारित नही किया जाता है तो सम्पूर्ण जिम्मेदारी शिक्षण संस्थान की होगी।

मनाई गई महात्मा गांधी की पुण्य तिथि, पुष्प अर्पित कर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के शहादत दिवस पर शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम के नेतृत्व मे कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने गांधी प्रतिमा चौराहे के पास एकत्र होकर उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। आज के दिन को पूरे विश्व मे गांधी जी के शहादत दिवस के रूप मे जाना जाता है। आज के दिन ही दक्षिण पंथी विचारधारा से प्रभावित कुछ लोगो के नेतृत्व में नाथूराम गोडसे ने अहिंसा और आपसी सौहार्द के प्रतीक महात्मा गांधी जी की हत्या कर दी थी। कांग्रेसजन खरका तिराहा स्थित गांधी प्रतिमा पर एकत्र हुए और रामधुन गाकर उन्हें याद किया गया। तत्पश्चात कुंभ मेले मे दुर्व्यवस्था के कारण हुई भगदड़ मे मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रख कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर अनिल सोनकर, लाल प्रकाश पाल, सुरेन्द्र सिंह बाबा, राकेश उपाध्याय, राजकुमार गुप्ता, अजय सोनकर, आजम जैदी, अमन सिन्हा, शशांक राय, अमित मिश्रा, राजीव निषाद, प्रवीण सिंह, गुलाब सिंह, ताहिर, रोहित पांडेय, गौरव मौर्या, इकबाल आदि मौजुद रहे।

पूर्व नपा अध्यक्ष पत्नी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। न.पा. के पूर्व अध्यक्ष स्वः जितेंद्र सिंह की पत्नी स्व उषा देवी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। उषा देवी चेयरमैन रचना सिंह की सासू मां थी। पुत्र नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि विरेन्द्र सिंह बंटी व बड़े पुत्र पूर्व ब्रिगेडियर प्रेमजीत सिंह ने माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर व हवन पूजन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान श्रृद्धांजलि अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई, एडवोकेट संजय यादव, दिनेश चन्द्र जायसवाल, एखलाक अंसारी, राम प्रसाद मोदनवाल समेत समस्त सभासद नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी समेत गणमान्यजन उपस्थित रहे।

आजाद रेलवे क्रासिंग पर आए दिन फिसलकर घायल हो रहे राहगीर, विभाग मौन

रेलवे विभाग की लापरवाही के चलते आए दिन हो रही दुर्घटना

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वाराणसी अयोध्या रेल मार्ग पर गेट नम्बर 58 स्पेशल पर आजाद रेलवे क्रॉसिंग के ट्रैक के किनारे बनी हुई सड़क क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वही रेलवे द्वारा बिछाएं गए फाइबर शूट भी क्षतिग्रस्त है। जिससे जरा सा असावधानी से बाइक सवार गिरकर घायल हो जा रहे है। जिनकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है और लोग अपने भाग्य को कोसते हुए अपने गंतव्य को रवाना हो जाते है बताते है कि राष्ट्रीय राजमार्ग 135अ पर उक्त रेलवे फाटक पर बना रेलवे ट्रैक पूर्व में भी कई लोग अपनी जान गवा चुके है रेलवे विभाग द्वारा ट्रक के अगल-बगल फाइबर शूट को बिछाया गया व सड़क को पक्का निर्माण कर आवागमन को सुचारू कर दिया गया जिससे लोगों को कुछ राहत मिली लेकिन कुछ दिनों के बाद उक्त रेल मार्ग पर सड़क और पटरी के बीच दो-चार इंच तक के गड्ढे पड़ गए जिसके कारण जरा सा असावधानी होने पर रेलवे ट्रैक पर गिरकर लोग घायल हो जा रहे है तो वही फाइबर शूट भी कुछ जगहों पर खराब हो चुके है व अपने जगह से हट गए है। जिसमें गड्ढा साफ दिखाई देते है। खाली हो जाने से जरा सा भी असावधानी होने पर बाइक सवार को जानलेवा साबित हो सकती है। इस बाबत लोगों का कहना है कि पहले सिंगल लाइन थी दबाव कम था घटनाएं तब भी होती थी लेकिन अब दोहरी लाइन होने से जनता को सुविधाएं तो दी गयी है लेकिन क्षेत्रीय जनता व आम राहगीर आज भी परेशानियां झेल रहे है और आएं दिन गिरकर चोटिल हो जा रहे है। जिनकी सुनने वाला कोई नहीं है रेलवे प्रशासन का कहना है कि 90 डिग्री टम्प्रेचर निर्माण है इसीलिए विभाग किसी भी कार्यवाई करने में अक्षम है। लोगों का कहना है कि यदि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा ओवरब्रिज बना दिया जाये तो समस्या का निदान हो सकता है लोगों का कहना है कि कई दशक से क्षेत्रीय लोग इस पीड़ा को झेल रहे है। लेकिन कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं चेत रहा हैं और न तो रेलवे विभाग उस पर कोई कार्यवाई कर रहा है। क्रासिंग से सटे आधा दर्जन विद्यालय हैं क्रासिंग पार करके प्रतिदिन हजारों की संख्या में स्कूली छात्रों का आवागमन है जान जोखिम में डाल कर छात्र स्कूल जाते हैं और गिरकर चोटिल हो जाते है, चोटिल होने के बाद अपना भाग्य समझकर आने गन्तव्य को रवाना हो जाते है। यदि प्रशासन नही चेता तो किसी दिन अप्रिय घटना हो सकती है।

टूट गया ट्रैक का फाइबर शूट और सड़क पर बने गड्ढे

सड़क पर हुए गड्ढे को भर रहे पुलिस के जवान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनुपर शहर के पचहटियां स्थित आजमगढ़-प्रयागराज मार्ग पर चल रहे महाकुम्भ मेले में आने जाने वाले वाहनों की भारी आवागमन को देखते हुए जिला प्रशासन सतर्क है। वहीं दूसरी ओर पचहटियां आजमगढ़ मार्ग पर कई जगह हुए गड्ढे से कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। वहीं पचहटियां तिराहा स्थित पेट्रोल पम्प के पास गड्ढे में तब्दील सड़क को पुलिस के जवान ने ईंट व बालू से भरकर बराबर किया ताकि इससे किसी प्रकार की कोई घटना न हो सके। बता दें कि प्रसाद इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्थित पुल के पास सड़क किनारे मिट्टी खिसकने के कारण बड़े गड्ढे में तब्दील हो गया है। आजमगढ़-प्रयागराज को जाने वाले इस मार्ग से हजारों सवारी गाड़ियां, दो पहिया वाहन का प्रतिदिन

आवागमन होता है। दिन में दूर से आने पर वाहन चालक गड्ढे को देखकर संभल जाते हैं लेकिन रात्रि में अंधेरा होने के कारण बड़ी दुर्घटना होने की संभावना जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द इस मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की है जिससे आने वाले दिनों में कोई बड़ी दुर्घटना न हो। वहीं दूसरी तरफ शाहगंज जौनपुर के तिराहे मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास गड्ढे में तब्दील मार्ग को स्थानीय पुलिस द्वारा ईंट व बालू से भरा गया जिससे कोई दुर्घटना अनहोनी न हो सके।

देर रात लगा रहा फोन पर, सुबह फंदे से लटकता मिला युवक का शव, मचा कोहराम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद वाराणसी जिले के चौबेपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बराई निवासी मुलायम यादव (26) पुत्र अंतु यादव ने बुधवार की रात फंदे से लटकता हुआ मिला शव, पूरे परिवार में मच गया कोहराम । पारिवार के अनुसार वह मजदूरी का काम करता था। उसकी पत्नी कुछ दिनों से अपने मायके चली गई थी। मुलायम बुधवार को मजदूरी कर वापस घर आया और भोजन के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। देर रात तक मोबाइल पर पत्नी से बातचीत करता रहा। गुरुवार को भोर में परिवार के लोगों ने मुलायम का शव फंदे से लटकता देखा तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। आनन-फानन परिजनों ने ग्रामीणों एवं पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का दाह संस्कार कर दिया। मृतक के परिवार में माता, पिता, पत्नी के अलावा तीन साल की एक बेटी है। मुलायम दो भाइयों में छोटा था। पिता अंतु यादव पहले फेरी पर कपड़े बेचकर गुजारा करते थे, लेकिन उम्र अधिक होने के बाद अब घर पर ही रहते हैं। बड़ा भाई पहले से ही परिवार से अलग रहता है।

एसडीएम निजामाबाद के सराहनी कार्य पर पत्रकारों ने आयोजित किया सम्मान समारोह

निजामाबाद,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। अपने सराहनी कार्यों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले निजामाबाद के उप जिलाधिकारी डॉक्टर अतुल कुमार गुप्ता को सरायमीर पत्रकार एसोसिएशन द्वारा सम्मानित किया गया । एसडीएम डॉक्टर अतुल कुमार गुप्ता के कार्यों की सराहना गरीब तबकों में भी काफी चर्चा में है। तहसील क्षेत्र के सभी लोगों के प्रति अपनें व्यवहार से कार्यों में प्रगति लाने वाले एसडीएम निजामाबाद डॉक्टर अतुल कुमार गुप्ता को तिलक माल्यार्पण कर फूलों का गुच्छ भेंट कर अंगवस्त्रम से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लेखपाल प्रिंस गुप्ता पत्रकार प्रेम प्रकाश दुबे पत्रकार शुभम दुबे पत्रकार अभय गुप्ता पत्रकार नीरज प्रजापति पत्रकार अनिल कुमार पत्रकार बसर आजमी सौरभ पांडे पत्रकार न्यूलैन क्षितिज गुप्ता अमन सहित अधिक संख्या में पत्रकार एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मृत्युभोज के बदले मानवीय मदद करेगा कृपाशंकर सिंह और उनका परिवार

- शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

जौनपुर। मृत्युभोज को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह और उनके परिवार ने एक साहसिक और प्रेरणादायक फैसला लिया है। 25 जनवरी को उनके भतीजे गया प्रसाद सिंह का उनके पैतृक गांव सहोदरपुर में निधन हो गया था। 3 फरवरी को 10 दशगात्र तथा 4 फरवरी को एकादशाह (शुद्धक) का कार्यक्रम रखा गया है। परंतु मृत्यु भोज का कार्यक्रम नहीं रखा गया है। इस बारे में पूछे जाने पर कृपाशंकर सिंह ने बताया कि धार्मिक परंपरा के अनुसार तेरहवीं के दिन 13 ब्राह्मणों को पूरे सम्मान के साथ खिलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाएगा परंतु मृत्यु भोज के नाम पर कोई कार्यक्रम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मृत्यु भोज के बदले गांव के किसी एक गरीब आदमी का घर बनाकर उसे उपहार स्वरूप दिया जाएगा। देखा जाए तो कृपाशंकर और उनके परिवार द्वारा लिया गया यह फैसला समाज के लिए एक अच्छा संदेश है। आज मृत्यु भोज एक स्टेटस सिंबल बनता जा रहा है। मृत्यु भोज के चलते आम आदमी कर्ज की दलदल तक में फंस जाता है । ऐसी हालत में मृत्यु भोज को पूरी तरह से समाप्त कर देने से इसका सबसे अधिक लाभ निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों को होगा। मृत्यु भोज में होने वाले खर्च को मानवीय सहायता के रूप में तब्दील किया जा सकता है। आज हर गांव में मृत्यु भोज का सालाना खर्च 15 से 20 लाख रुपए है । इन रुपयों से नए मंदिर या शादी का हाल जैसे अनेक निर्माण कार्य किए सकते हैं। इन निर्माण कार्यों पर उन सभी लोगों के नाम अंकित किए जा सकते हैं जिनकी स्मृति में निर्माण कार्य पूरा हुआ है ।

मुख्य सचिव और डीजीपी ने महाकुम्भ में घटी घटना का किया स्थलीय निरीक्षण

महाकुम्भ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गुरुवार को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार ने महाकुम्भ में घटी घटना का स्थलीय निरीक्षण किया और फिर समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य सचिव और डीजीपी दोनों ही शीर्ष अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस बार महाकुम्भ को लेकर जो तैयारियां की गई थीं उसकी दुनिया भर में सराहना हो रही है। दुर्भाग्य से ये घटना हो गई, लेकिन इसके बावजूद हमें मोरल डाउन नहीं करना है और बिल्ड इट बेटर की भावना से काम करते हुए आगामी अमृत स्नान को जीरो एरर बनाते हुए श्रद्धालुओं के लिए महाकुम्भ में स्नान और आवागमन को यादगार बनाना है।

डीजीपी उत्तर प्रदेश प्रशांत कुमार ने कहा कि बुधवार रात में जो घटना घटी है, उससे हर कोई दुखी है। मुख्यमंत्री स्वयं घटना के बाद से भावुक हैं। उन्होंने बुधवार तड़के से ही मीटिंग में बुलाया और लगातार 12 घंटे तक पल-पल की मॉनीटरिंग करते रहे। 10 मिनट का भी उन्होंने रेस्ट नहीं लिया। उनके लिए यह घटना शॉकिंग थी, क्योंकि उन्होंने अपनी तरफ से व्यवस्था को बेहतर से बेहतर बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। अब हमें बसंत पंचमी के अमृत स्नान को जीरो एरर बनाना है। इसके लिए यदि एक्सपर्ट्स की मदद लेनी हो तो ली जाए। उन्होंने कहा कि जिन स्थलों पर सर्वाधिक भीड़ है, वहां ज्यादा से ज्यादा अधिकारी फोर्स के साथ मौजूद रहें। बॉर्डर एरिया में एसपी स्तर के अधिकारियों को तैनात किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हादसे को लेकर ज्यूडिशियल इंक्वायरी के लिए कमीशन गठित कर दिया है। हमें यहां पर आगे की व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए भेजा गया है। जो हादसा हुआ है, उसे झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन अब हमें आगे की ओर देखना होगा। बसंत पंचमी को होने वाले अमृत स्नान को हमें श्रद्धालुओं के लिए बेहतर से बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनी होंगी, ताकि उनके लिए यह अवसर यादगार बन जाए।

उन्होंने कहा कि इस बार जितनी शिद्दत से महाकुम्भ की तैयारी की गई थी, उतनी बेहतर तैयारी कभी नहीं की गई। फंड्स और मैनपावर की कोई कमी नहीं रखी गई है। इक्विपमेंट्स हों या किसी भी तरह की मांग रही हो, प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सैंक्शन किया गया है। सभी ने बहुत मेहनत की है। ये दुर्भाग्य है कि इतनी तैयारियों के बावजूद दुर्घटना हो गई। इसका सबसे बड़ा कारण अत्यधिक भीड़ का होना है। अब हमें आगे की ओर देखना है। मनोबल कम नहीं होने देना है। जो भी तैयारी करनी है कर लीजिए, आपके पास दो दिन हैं। हमें श्रद्धालुओं के लिए इस अमृत स्नान को यादगार बनाना है। मुख्य सचिव ने कहा कि आने वाले अमृत स्नान पर हमें संगम नोज पर अत्यधिक भीड़ को जाने से रोकना होगा। लोगों को रोकने के लिए कई स्तरों पर बैरीकेडिंग किए जाएं। डायवर्जन प्लान को लागू किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने व्यवस्थाओं को और दुरुस्त करने के लिए कुछ और सीनियर अधिकारियों को यहां भेजा है। ये अधिकारी आपकी मदद करेंगे। मिलकर आगे की योजना बनाएं और तीर्थ यात्रियों के लिए अधिकतम सुविधाएं सुनिश्चित करें। उनके नहाने और आवागमन का अनुभव कभी न भूलने वाला होना चाहिए।

मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ की जांच करने पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। मौनी अमावस्या पर संगम नोज पर हुई भगदड़ की जांच करने के लिए मुख्य सचिव मनोज कुमार और डीजीपी प्रशांत कुमार घटनास्थल पर पहुंचे हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद है। दोनों अधिकारियों ने संगम तट पर पहुंचकर भगदड़ वाले स्थान का जायजा लिया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। मौनी अमावस्या पर अनियंत्रित भीड़ के दबाव से बैरिकेडिंग टूट जाने के बाद संगम नोज पर रात्रि एक से दो बजे के बीच भगदड़ मच गई। इसमें दम घुटने से 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और जबकि 60 लोग घायल हो गए।

प्रथम शुक्ल के जन्मदिन पर पारंपरिक भोज घुघुरी रस

सुलतानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय सचिव व जयसिंहपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रभाकर शुक्ल रिंकूर और जयसिंहपुर ब्लाक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल द्वारा बुधवार को जनपद सुलतानपुर के बरौसा स्थित कमला हॉस्पिटल, समिति कार्यालय शिव मंदिर परिसर मे प्रभाकर शुक्ल रिंकूर के बड़े सुपुत्र प्रथम शुक्ल के जन्मदिन एवं मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर पारंपरिक भोज घुघुरी रसलोनीर और गन्ने का रस का कार्यक्रम आयोजित किया गया और काशी,अयोध्या, प्रयागराज दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं को घुघुरी रसलोनीर खिलाकर गन्ने का रस पिलाया गया. समिति के राष्ट्रीय सचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकूर और प्रमुख राहुल शुक्ल ने महाकुंभ मे हादसे का सीकार हुए स्नानार्थियों के

निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धालुओं की हर संभव मदद का आह्वान किया कार्यक्रम में जयसिंपुर कोतवाल अनिरुद्ध सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ सी बी शुक्ल, निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख मंजु शुक्ला,जयसिंपुर खण्ड विकास अधिकारी निशा तिवारी, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे,मोतिगरपुर ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रताप सिंह,भाजपा मंडल अध्यक्ष राम जीत पाल, जिला पंचायत सदस्य ओपी चौधरी, जिला पंचायत सदस्य संतोष कुमार, प्रधान वंश बहादुर सिंह, प्रधान पिंकू सिंह, प्रधान राकेश सिंह, प्रधान राजू दुबे, प्रधान विक्की यादव, प्रधान सुनील कसौधन, प्रधान कुलदीप यादव, प्रधान अतुल पांडे, पूर्व प्रधान बब्लू मिश्र, क्षेत्र पंचायत सदस्य संदीप दुबे, राहुल शुक्ला, ऋषि शुक्ला, क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि नवीन सिंह, पंच बहादुर वर्मा, अरुण वर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनील वर्मा, संजीत सिंह, कलीम भाई, दरगाह ही वर्मा, दिनेश वर्मा, बृजेश वर्मा, बृजेश यादव, संतोष तिवारी, अजय सिंह, राजेश तिवारी, सुजीत तिवारी, कपीश यादव, रवि तिवारी,महेश यादव, पृथ्वी पाल यादव, राजमणि यादव, सीताराम यादव, महेश यादव,स्मित गुप्ता, समर जीत यादव, राजेंद्र यादव, बबलू तिवारी, अंजनी यादव, गुरु प्रसाद मिश्र, प्रदीप जयसवाल सहित क्षेत्र के कई सम्मानित गण मान्य लोगों ने प्रथम शुक्ल के उज्वल भविष्य की कामना के साथ शुभकामनाएं दिए और कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा किये।

ऑटो व्हील्स व वेंकटेश्वर हीरो ने लांच किया नया डेस्टिनी 125CC

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। हीरो मोटोकार्प दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निमार्ता कंपनी ने नया डेस्टिनी 125उउ ऑटो व्हील्स व वेंकटेश्वर हीरो पर लांच किया गया। नये डेस्टिनी 125उउ की लांचिंग हीरो मोटोकार्प के टेरेटरी मैनेजर सेल्स रौनक वैध व सोशल स्टार रोली जौनपुरिया व आदर्श यादव के उपस्थिति में उनके द्वारा किया गयो लॉन्चिंग के दौरान वेंकटेश्वर हीरो व ऑटो व्हील्स के अधिष्ठता मनोज कुमार व उनके पुत्र लक्ष्य गुप्ता राजा मौजूद रहें। लक्ष्य गुप्ता ने लॉन्चिंग के समय नए डेस्टिनी 125 के बारे में बताया की डेस्टिनी आधुनिक तकनीक, बेहतरीन माइलेज व भरोसेमंद परफॉर्मेंस का अनूठा संयोजन में नए डेस्टिनी 125CC से 59', ढछ का बेहतरीन माइलेज प्रदान करता है। यह स्कूटर 25CC का दमदार इंजन 9 BHP @ 7000 RPM के साथ हीरो की बेहतरीन I35 टेक्नोलॉजी से युक्त नए डेस्टिनी में स्मार्ट स्पीड मीटर, रियल टाइम माइलेज इंडिकेटर, इको इंडिकेटर (ऑटो कैंसिल विन्कर्स पहली बार) व ब्लूटूथ आदि जैसे बेहतरीन फीचर प्रदान किये गए है। नए डेस्टिनी 25CC की एक्स शोरूम कीमत 80450 रुपये से शुरू होती है। इस स्कूटर को तीन वैरिएंट व पांच कलर के साथ बाजार में उतारा गया है। हीरो के नए डेस्टिनी स्कूटर 25CC के लॉन्चिंग के समय ऑटो व्हील्स व वेंकटेस्वर के जनरल मैनेजर सत्य प्रकाश शुक्ल व सेल मैनेजर शिवानन्द राय ने बताया की नयी डेस्टिनी 125 स्कूटर आधुनिक सुविधाओं से लैस है और यह स्कूटर ग्राहकों को खूब पसंद आएंगी। उक्त मौके पर सेल्स टीम के विशाल मौर्या, पंकज, पूनम, पुष्कर, शनि पांडेय, व अनिकेत इत्यादि मौजूद रहे। अंत में ऑटो व्हील्स व वेंकटेश्वर हीरो के वरिष्ठ अधिष्ठाता मनोज ने उपस्थित सभी ग्राहकों, मीडियाकर्मी व अतिथियों को धन्यवाद् ज्ञापित किय।

बीएसएनएल ने ओटीटीप्ले के साथ साझेदारी में मोबाइल यूजर्स के लिए बीआईटीवी किया लॉन्च

मुंबई। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने भारत के प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर ओटीटीप्ले के साथ मिलकर बीएसएनएल इंटरटेनमेंट नामक एक नवीन इंटरनेट टीवी सेवा पेश की है। यह सेवा पूरे भारत में बीएसएनएल मोबाइल उपयोगकताओं को 450 से अधिक लाइव टीवी चैनलों, जिनमें प्रीमियम चैनल भी शामिल हैं, का मुफ्त एक्सेस प्रदान करती है। पुदुचेरी में पायलट लॉन्च के बाद, बीआईटीवी अब पूरे भारत में लॉन्च किया जा रहा है, जो बीएसएनएल के अपने उपयोगकताओं को विश्वस्तरीय मनोरंजन प्रदान करने के विजन का हिस्सा है। बीएसएनएल इंटरटेनमेंट के साथ बीएसएनएल ग्राहक भक्ति फिलाक्सा, शॉर्टफंडली, कंचा लंका, स्टेज, ओएम टीवी, प्लेफ्लिक्स, फैनकोड, डिस्ट्रो, हबहॉपर और रन टीवी जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ-साथ 450+ लाइव टीवी चैनल, ब्लॉकबस्टर फिल्में और वेब सीरीज का आनंद ले सकते हैं। लॉन्च इवेंट में बोलते हुए बीएसएनएल के सीएमडी रॉबर्ट जे रवि आईटीएस ने कहा, बीआईटीवी के साथ, अपने भागीदारों के माध्यम से, बीएसएनएल हर ग्राहक को कहीं भी, कभी भी मुफ्त में मनोरंजन का आनंद लेने की शक्ति प्रदान कर रहा है, चाहे वह किसी भी प्लान पर हों। बीआईटीवी बीएसएनएल की डिजिटल समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है और बीएसएनएल इस क्रांतिकारी सेवा के माध्यम से बदलाव लाने वाले पहले टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं में से एक होगा। इस विजन को साझा करते हुए ओटीटीप्ले के सह-संस्थापक एवं सीईओ अविनाश मुदलियार ने कहा, हुहम बीएसएनएल के साथ बीआईटीवी के लॉन्च के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। इस साझेदारी के माध्यम से बीएसएनएल उपयोगकताओं को प्रीमियम कंटेंट की एक विशाल लाइब्रेरी का विशेष एक्सेस मिलेगा, जो एक बेहतरीन देखने का अनुभव प्रदान करेगा। चाहे फिल्में हों, टीवी शोज या एक्सक्लूसिव कंटेंट, हम विश्वस्तरीय मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीएसएनएल के साथ मिलकर हमारा लक्ष्य मनोरंजन सेवाओं के लिए एक नया मानक स्थापित करना है, ताकि उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं भी उच्च गुणवत्ता वाला ऑन-डिमांड कंटेंट का आनंद ले सकें।

तीर्थराज प्रयाग की धरा पर पूज्य श्री हरि ओम दास की भागवत कथा का आयोजन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। तीर्थराज प्रयाग के पावन धरा पर पूज्यश्री हरि ओम दास जी महाराज जी के सानिध्य में भागवत कथा का आयोजन 10 जनवरी 2025 से 12 फरवरी 2025 तक चलता रहेगा। यह कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रखा गया है जो कि नौ वर्ष पूर्ण कर दसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह आयोजन श्री हरि ओम मानव सेवा ट्रस्ट सूरत के तरफ से आयोजित किया गया है। महाकुंभ में पुज्य श्री हरि ओम दास महाराज जी ने श्री हरिओम सेवा ट्रस्ट सूरत के आयोजकत्व में देश के सामाजिक विषमता फैलाने वाले को श्री हरिओम दास ने फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीति के कारण शूद्र को चतुर्थ श्रेणी में डाल कर नीच बना दिया गया , जबकि शूद्र नीच कभी नहीं था। भगवान के चरणों में प्रगट हो कर गंगा जी पतित पावनी हो गई तो उन्हीं चरणों में प्रगट हो कर शूद्र अछूत कैसे हो सकता है। शूद्र सर्वकाल में पवित्र होता है। क्यों कि पूजा भगवान के चरण की होती है। अतः समाजिक एकता को बनाए रखिये और उनका आदर करें , महाकुंभ के पावन पर्व पर आए हुए सभी भक्तों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि यह पांडाल तीर्थराज प्रयाग के झूंसी सेक्टर नं 13 मुक्ति धाम पर स्थित है। रहने खाने की निः शुल्क व्यवस्था किया गया है। ओढ़ने और बिछाने का व्यवस्था स्वयं करना पड़ेगा।

घायल श्रद्धालुओं से मिले मुख्य सचिव और डीजीपी, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

- सुरेश गांधी

महाकुम्भ नगर। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार गुरुवार को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल भी पहुंचे, जहां बुधवार को मौनी अमावस्या अमृत स्नान के दौरान संगम नोज पर घटी घटना के घायलों को भर्ती कराया गया है। यहां मुख्य सचिव और डीजीपी ने घायलों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। प्रदेश के दोनों शीर्ष अधिकारी एक-एक घायल के पास गए और उन्हें मिल रहे उपचार के विषय में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने डॉक्टर्स को इलाज में किसी तरह की कमी नहीं रखने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप अस्पताल में घायल

तीर्थयात्रियों का समुचित इलाज किया जा रहा है और पूरा प्रशासन उनकी देखरेख में जुटा हुआ है।

कोई भी मरीज गंभीर नहीं

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती सभी श्रद्धालुओं को समुचित चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। अस्पताल प्रशासन पूरी तत्परता से सभी मरीजों की देखभाल कर रहा है। मरीजों के साथ आए परिजनों और श्रद्धालुओं के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी मरीजों के परिवारजनों को सूचना दे दी गई है और अधिकांश परिजन अस्पताल पहुंच चुके हैं। राहत की बात यह है कि कोई भी मरीज गंभीर स्थिति में नहीं है। हालांकि, कुछ मरीजों को फ्रैक्चर जैसी चोटें आई हैं, जिनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने में 3 से 4 सप्ताह तक का समय लग सकता है। सरकार एवं अस्पताल प्रशासन मरीजों की देखभाल के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रसायन विज्ञान छात्रों के लिए साक्षात्कार संबंधी विशेष व्याख्यान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कुलपति प्रो. वंदना सिंह की प्रेणना से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में रज्जू भैया इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल साइंसेज के रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. नितेश जायसवाल ने आज सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल और इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित एक विशेष व्याख्यान में छात्रों को साक्षात्कार में पूछे जाने वाले प्रमुख प्रश्नों की जानकारी दी। सत्र में उन्होंने मौलिक, कार्बनिक, भौतिक और औद्योगिक रसायन से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों पर चर्चा की। इसके अलावा, अनुसंधान, प्रयोगशाला तकनीकों और आधुनिक विश्लेषणात्मक विधियों जैसे कि स्पेक्ट्रोस्कोपी और क्रोमैटोग्राफी की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। डॉ. जायसवाल ने छात्रों को व्यावहारिक

कौशल, गहन अध्ययन और उद्योग आवश्यकताओं पर ध्यान देने की सलाह दी ताकि वे साक्षात्कार में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस दौरान छात्रों ने अपने सवाल पूछे और करियर मार्गदर्शन प्राप्त किया। संस्थान के प्लेसमेंट सेल ने छात्रों की भागीदारी को सराहा और भविष्य में इस तरह के और सत्र आयोजित करने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में प्रो. अविनाश डी. पाथर्डिकर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने डॉ. नितेश जायसवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सत्र छात्रों के लिए अत्यंत लाभदायक रहा और भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता बनी रहेगी। उन्होंने प्लेसमेंट सेल और इनक्यूबेशन सेंटर के प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम दौरान कर्यालय प्रभारी श्याम त्रिपाठी एवम् प्लेसमेंट सेल के मुख्य छात्र सदस्य आदित्य पांडे ,दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुवेर्दी, श्रेया मिश्रा ,शिवांश श्रीवास्तव, हरी ओम साहू, आर्यन पाण्डेय ,आयुष गुप्ता एवम् आदि छात्र उपस्थित रहे।

लखीमपुर खीरी के पूर्व सांसद डॉ. जी. एल. कन्नौजिया नहीं रहे

मुंबई। लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) से दो बार सांसद (10वीं-11वीं लोकसभा) रहे डॉ. जी. एल. कन्नौजिया (डॉ. गेंदनलाल कन्नौजिया)94 वर्ष की आयु में अपने शाहजहांपुर स्थित बड़े पुत्र डॉ. संजीव कन्नौजिया के निवास स्थान पर आज 30 जनवरी 2025 की रात्रि 3 बजे अंतिम श्वास लिया। उन्होंने एम बी बी एस, एम. एस.करने के बाद लंदन से एफ आर सी एस डिग्री प्राप्त की। वे पुरे विश्व की संसद में एक मात्र एफ आर सी एस डिग्री धारी सांसद रहे। उनके मेडिसिन एवं सर्जरी पर कई लेख रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जरी, लंदन द्वारा प्रकाशित किये गये। वह अपने पीछे पत्नी शीला कन्नौजिया 3पुत्र एवं 2पुत्रियों सहित भरापुरा परिवार छोड़ गये हैं। अपने मिलनसार स्वभाव के कारण बहुत लोकप्रिय रहे। उन्होंने कई हॉस्पिटल स्कूल कॉलेज का निर्माण किया। उनके दुःखद निधन पर मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल, डॉ.राकेश कन्नौजिया, श्रीमती कमला कन्नौजिया, डॉ.दीपक सिंह पटेल, डॉ.सचिन सिंह ने गहरा दुःख और समाज के लिये यह अपूरणीय क्षति व्यक्त किया है, तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा को सदगति प्रदान करने तथा परिवार जनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने हेतु प्रार्थना किया है।

नीलगाय को बचाने में बेकाबू कार पेड़ से टकराई, छह लोग घायल

सोनभद्र। सोनभद्र जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र के मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर बभनडीहा गांव के पास अचानक सड़क पर आई नील गाय को बचाने में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार छह लोग जख्मी हो गए। सभी घायल एक ही परिवार के हैं। महाकुंभ में स्नान कर प्रयागराज से लौट रहे थे। घायलों को म्योरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक उपचार के बाद चार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर निवासी नवीन कुमार (45), अपनी मां मालती देवी (65), पत्नी सीता देवी (42), पुत्री स्वाति सिंह (14), पुत्र सत्यम सिंह (12), आदित्य कुमार सिंह (16) के साथ महाकुंभ मेले में शामिल होने प्रयागराज गए थे। बृहस्पतिवार को पूरा परिवार स्विफ्ट कार से लौट रहा था। मुर्धवा-बीजपुर मार्ग पर बभनडीहा गांव के पास अचानक नील गाय सड़क पर आ गई। उसे बचाने की कोशिश में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए। राहगीरों की मदद से उन्हें म्योरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। ग्राम प्रधान संत कुमार गुप्ता ने बताया कि कार के आगे एक पिकअप जा रहा था। इसी बीच अचानक सड़क पर दौड़ते हुए एक नील गाय आ गई, जिससे पिकअप की टक्कर नील गाय से हो गई। इसके तुरंत बाद पीछे से आ रही कार नील गाय को बचाने में सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार सिंह ने वाहनों को सड़क किनारे कर आवागमन सुचारू बनाया। एसओ ने बताया कि चार घायलों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। उधर, वन कर्मियों ने घायल नीलगाय को रेंज परिसर ले जाकर उसका उपचार कराया।

पेट फेड : मुंबई का सबसे बड़ा पेट फेस्टिवल आ गया है!

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत का सबसे बड़ा पेट फेस्टिवल पेट फेड इस फरवरी आपके शहर में आ रहा है, आपके और आपके प्यारे पालतू जानवरों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव के साथ। खुशियों के 10 साल का जश्न 10वें शानदार संस्करण के साथ, पेट फेड ने पालतू जानवरों और उनके परिवारों के लिए एक दशक तक खूबसूरत यादें बनाई हैं। इस ऐतिहासिक साल में, पेट फेड और भी बड़ा और भव्य होने जा रहा है। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भारत के सबसे बड़े डॉग कार्निवल के रूप में मान्यता प्राप्त पेट फेड गर्व से यह उपलब्धि अपने नाम रखता है। क्या है नया इस खास मौके पर, पेट फेड ने अपने पंख नए शहरों तक फैलाए हैं, जिसमें पुणे भी शामिल है। इस साल आपको और भी अधिक रोमांचक गतिविधियां, इंटरैक्टिव जोन और अनमोल अनुभव मिलेंगे, जो हर पेट लवर का दिल जीत लेंगे। पेट फेड क्यों है खास पेट फेड सिर्फ एक फेस्टिवल नहीं, बल्कि आपके प्यारे पालतू जानवरों के साथ खुशियों का महोत्सव है। इसे अक्षय गुप्ता ने शुरू किया, जिन्होंने इसे एक छोटे से सपने से 3 एकड़ के विशाल उत्सव में बदल दिया।